07 जून 2025
शनिवार

# केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

प्रधानमंत्री मोदी को सरेंडर करने की आदत, मैंने 11 बार कराया है: राहुल गांधी 4



## 15 दिनों में कोराना मरीजों की संख्या में इजाफा, आंकड़ा पांच हजार के पार

**एजेंसी/नई दिल्ली**

देश में कोरोना के सक्रिय मामले 5000 के पार पहुंच गए हैं। 22 मई को यह आंकड़ा 275 था। ऐसे में बीते 15 दिन में कोरोना के सक्रिय मामले 20 गुना हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में सक्रिय कोरोना मामलों में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है। इसके बाद गुजरात, पश्चिम बंगाल और दिल्ली का नंबर आता है। मामलों में वृद्धि को देखते हुए केंद्र कोरोना के लिए तैयारियों की जांच करने के लिए मॉक ड्रिल कर रहा है। सभी राज्यों को कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। भारत में 5,364 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटों में चार नई मौतें दर्ज की गई हैं। अधिकांश मामले हल्के या बिना लक्षणों वाले हैं। इनका इलाज घर बैठे ही किया जा सकता है, बस खुद को आइसोलेट करने की जरूरत है, ताकि दूसरों तक यह न फैले। कोरोना की वजह से इस साल जनवरी से अब तक देश में कुल 55 मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने मामलों की बढ़ती संख्या को देखकर सभी अस्पतालों को सख्त निर्देश दिया है।

# सुप्रीम कोर्ट : महिला जज की चाइल्ड केयर लीव पर हो पुनर्विचार...

**फैसला**

- सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को दिया निर्देश
- हाईकोर्ट की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों सुनाई नहीं पाती, इसीलिए सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

**केटी न्यूज/पटना**

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह एक एकल अभिभावक महिला न्यायिक अधिकारी की बच्चे की देखभाल के लिए छुट्टी (चाइल्ड केयर लीव) की याचिका पर पुनर्विचार करे। इस याचिका में उनके छुट्टी के अनुरोध को ठुकराए जाने को चुनौती दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट को यह याचिका पिछले फैसले के प्रभाव में आए बिना दोबारा देखनी चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के वकील को आदेश दिया कि वह तीन दिन के भीतर इस मामले में जरूरी निर्देश प्राप्त करें। क्योंकि अगली सुनवाई अगले हफ्ते तय की गई है। हाईकोर्ट को यह सुझाव दिया गया कि बच्चे की देखभाल के लिए छुट्टी देने के अनुरोध पर पुनर्विचार किया जाए। बेंच ने हाईकोर्ट के वकील से यह भी कहा कि यह उचित होगा कि हाईकोर्ट खुद ही इस मुद्दे पर फिर से विचार करे, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आगे के मामलों के लिए उदाहरण बन सकता है। वकील ने कहा, वह समाज के सबसे निचले तबके से आने वाली एक एकल अभिभावक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि न्यायिक सेवा में उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है और ढाई साल में उन्होंने 4,000 से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। याचिका में कहा गया है कि चाइल्ड केयर लीव के लिए नियम के अनुसार, न्यायिक अधिकारी को पूरी सेवा अवधि में कुल 730 दिनों की छुट्टी का अधिकार है। लेकिन उन्होंने केवल छह महीने की छुट्टी ही मांगी थी।

### महिला न्यायिक अधिकारी की याचिका पर आया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने 29 मई को झारखंड सरकार और हाईकोर्ट रजिस्ट्री से जवाब मांगा था। यह जवाब एक महिला न्यायिक अधिकारी की याचिका पर मांगा गया था, जिसमें उन्होंने छह महीने की चाइल्ड केयर लीव न दिए जाने को चुनौती दी थी। महिला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) हैं और अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग से आती हैं। उन्होंने जून से दिसंबर तक के लिए छुट्टी मांगी थी, ताकि वह अपने बच्चे की परीक्षा की तैयारी में उसकी देखभाल कर सकें।चीफ जस्टिस (सीजेआई) की अध्यक्षता वाली बेंच ने पहले पूछा था कि उन्होंने यह याचिका पहले झारखंड हाईकोर्ट में क्यों नहीं दाखिल की। उनके वकील ने बताया कि हाईकोर्ट की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों की वजह से याचिका पर तत्काल सुनवाई नहीं हो पाती, इसीलिए सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया।

## खबरें फटाफट

### बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मास्टरमाइंड जीशान कनाडा में अरेस्ट

**नई दिल्ली।** पंजाब के जालंधर जिले के नकोदर निवासी जीशान अख्तर उर्फ जस्सी पुरेवाल, जो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है, को कनाडा के सरे शहर में गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह गिरफ्तारी भारतीय जांच एजेंसियों की सूचना के आधार पर हुई है या कनाडाई पुलिस ने स्वतंत्र रूप से यह कार्रवाई की है। लेकिन इतना तय है कि जीशान इस समय कनाडा पुलिस की हिरासत में है, और इस गिरफ्तारी को केस में बड़ी सफलता माना जा रहा है।

### जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने कनाडा जाएंगे पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी से फोन पर बात की है और उन्हें जी7 सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। इस साल 15 से 17 जून 2025 को कनाडा के अल्बर्टा के कनानास्किस में जी7 सम्मेलन हो रहा है। इसमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी के शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे। इसके अलावा ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन के राष्ट्रपतियों और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है।

### उधपुर-श्रीनगर-बारामुला रेलवे लिंक परियोजना की कुल लंबाई 272 किमी है

# पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज का किया उद्घाटन

- यह पुल 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है
- पीएम ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस है

**एजेंसी/जम्मू**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने चिनाब नदी पर बनाए गए इस ऐतिहासिक पुल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों से परियोजना की विस्तृत जानकारी ली। यह पुल 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद चिनाब पुल के पास स्थित एक व्यू प्वाइंट पर पहुंचे, जहां से उन्हें इस इंजीनियरिंग चमत्कार का अवलोकन कराया गया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, जितेंद्र सिंह और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ मिलकर वहां स्थापित रेलवे संग्रहालय का भी दौरा किया। संग्रहालय में प्रधानमंत्री को इंजीनियरों और श्रमिकों से बातचीत करते भी देखा गया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने भारत के पहले केबल-स्टेड रेल पुल, अंजी ब्रिज का भी उद्घाटन किया। यह पुल भी रियासी जिले में अंजी नदी पर निर्मित है और देश की रेलवे इंजीनियरिंग का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उद्घाटन कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री मोदी ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस है। ट्रेन को रवाना करने से पहले प्रधानमंत्री ने कटरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और चालक दल के सदस्यों से बातचीत की और उनके अनुभव जाने। प्रधानमंत्री ने दोनों वंदे भारत ट्रेनों की वाणिज्यिक यात्राएं शुरू हो जाएंगी। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों और रेल यात्रियों को कटरा से कश्मीर तक की यात्रा में बड़ी राहत मिलेगी।

### कटरा से श्रीनगर तक चलने वाली वंदे भारत हाइटेक सुविधाएं से लैस

कटरा से श्रीनगर तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में हाइटेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अब बात किराए की बात करते हैं। चेयर कार का किराया करीब 715 रुपये रखा गया है। वहीं, एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया तकरीबन 1320 रुपये है। वंदे भारत ट्रेन में एंटी फ्रीजिंग तकनीकि का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ-साथ सब-जीरो कंडीशन में हीटिंग सिस्टम भी मिलेगा। सीटों की बात करें तो ये 360 डिग्री तक घूमने वाली हैं। हर सीट पर वरइ चार्जिंग प्वाइंट मिलेंगे। इस वंदे भारत ट्रेन में शुद्ध शाकाहारी भोजन के साल लजीज व्यंजन की भी व्यवस्था की गई है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन आम लोगों को लिए शनिवार 7 जून से चलेगी। दिन में यह ट्रेन चार चक्कर लगाएगी। इस ट्रेन का एकमात्र स्टॉपेज बनिहार में बनाया गया है। इससे यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। वह आसानी से मां वैष्णी देवी पहुंच सकते है।

### जम्मू-कश्मीर में कनेक्टिविटी का नया दौर शुरू

इससे पहले उन्होंने चिनाब पुल का निरीक्षण किया और सीएम उमर अब्दुल्ला और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की। इसके साथ-साथ उन्होंने कामगारों से भी मुलाकात की। बता दें, आज जम्मू-कश्मीर में विकास और कनेक्टिविटी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। पीएम मोदी आज चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज और देश के पहले केबल-स्टे अंजी ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। पीएम यहां कुल 46 हजार करोड़ की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया। इस ब्रिज के साथ ही कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन को भी पीएम मोदी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ब्रिज को बनाने में करीब 1500 करोड़ की लागत आई है। रेलवे ने बताया कि उधपुर-श्रीनगर-बारामुला रेलवे लिंक परियोजना की कुल लंबाई करीब 272 किमी है। और इसको बनाने में 43 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च हुए हैं। इस परियोजना में 36 सुरंगे और 943 पुल भी शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि चिनाब नदी पर बना 1 किमी. से ज्यादा लंबा रेलवे ब्रिज करीब 359 मी. की ऊंचाई पर है।

## बैंक मैनेजर ने 41 ग्राहकों के 4.58 करोड़ रुपये शेयर में किया निवेश

**एजेंसी/कोटा**

राजस्थान के कोटा से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने बैंकिंग सिस्टम और आम जनता के भरोसे को हिला कर रख दिया है। एक प्राइवेट बैंक की महिला अधिकारी ने जो किया, वो न सिर्फ हैरान करने वाला है, बल्कि पूरे तंत्र पर सवाल खड़े करता है। आईसीआईसीआई बैंक की रिलेशनशिप मैनेजर साक्षी गुप्ता पर आरोप है कि उसने बैंक के ही खातों से चुपचाप करोड़ों रुपये निकालकर शेयर बाजार में निवेश कर दिए और ये सब उसने तीन साल तक लगातार किया, बिना किसी को भनक लगे।

**कैसे हुआ फ्रॉडः मोबाइल नंबर बदले, ओटीपी खुद को भेजे :** साक्षी गुप्ता ने साल 2020 से 2023 के बीच 41 ग्राहकों के 110 खातों से करीब 4.58 करोड़ की रकम निकाल ली। उसने बैंक की यूजर एफडी लिंक प्रणाली का गलत फायदा उठाया। इतना ही नहीं, उसने खातों से जुड़े मोबाइल नंबरों को बदलकर अपने और परिवार के नंबर जोड़ दिए, ताकि कोई अलर्ट या ओटीपी असली ग्राहक को न मिल सके। सभी वन-टाइम पासवर्ड एक विशेष सिस्टम के जरिए उसकी खुद की डिवाइस पर आते थे। जिससे उसे रकम निकालने में किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ा।

**नुकसान हुआ तो सामने आया खेल :** शुरूआत में साक्षी शेयर बाजार में निवेश से मुनाफा कमा रही थी, लेकिन जब घाटा होने लगा तो मामला बिगड़ गया। निवेश की गई रकम वापस नहीं आई और ग्राहकों के पैसे डूब गए। फ्रॉड तब सामने आया जब एक ग्राहक अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की जानकारी लेने बैंक पहुंचा। जांच में गड़बड़ी उजागर हुई और जैसे-जैसे परतें खुलती गईं, मामला गंभीर होता चला गया।

**शादी के माहौल में गिरफ्तारीः** इस पूरे घोटाले की रिपोर्ट 18 फरवरी को दर्ज कराई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए साक्षी को उसकी बहन की शादी के दिन ही गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। आईसीआईसीआई बैंक ने इस पर बयान जारी करते हुए कहा, "जैसे ही धोखाधड़ी की जानकारी मिली, हमने तुरंत केस दर्ज कराई और संबंधित कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया है। जिन ग्राहकों को नुकसान हुआ, उनके दावों का समाधान कर दिया गया है।

## अच्छी खबरः नौ-सेना को मिलेगा पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट

**एजेंसी/विशाखापत्तनम**

भारतीय नौसेना को 18 जून को एक नया और अत्याधुनिक जहाज मिलने जा रहा है। नौसेना के पहले एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अनार्ला को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह समारोह विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में होगा और इसकी अध्यक्षता जनरल अनिल चौहान, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष करेंगे। इस कार्यक्रम की मेजबानी उत्तरी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल राजेश पेंढरकर करेंगे। इस मौके पर नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, विशिष्ट अतिथि, और जहाज निर्माण से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। आईएनएस अनार्ला भारतीय नौसेना के लिए तैयार किए जा रहे 16 एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट जहाजों में से पहला जहाज है।

## आरसीबी के अधिकारी समेत चार गिरफ्तार, कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

**एजेंसी/बेंगलुरु**

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के सिलसिले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे। उन्हें क्राइम ब्रांच और बेंगलुरु पुलिस की ओर से एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया था। अदालत ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एक अधिकारी समेत चार लोगों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के सिलसिले में आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने भी पुष्टि की कि भगदड़ मामले में कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं। हमारी टीमें मामले को बहुत गंभीरता से ले रही हैं और आखिरकार मामला सीआईडी के पास जाना है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी से पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सुनील मैथ्यू और किरण कुमार से पूछताछ की गई। आगे की प्रक्रिया बाद में पूरी की गई। बताया गया कि कुछ को कथित तौर पर शहर के बाहरी इलाके में थे।

### राम मंदिर अब केवल अयोध्या में नहीं है, बल्कि भारत के हर दिल में धड़क रहा : नृपेंद्र मिश्रा

# राम मंदिरः आस्था, आत्मगौरव व सांस्कृतिक की बनी पहचान

**एजेंसी/अयोध्या**

अयोध्या की हवा इन दिनों कुछ खास है। चंदन और गुलाब जल की खुशबू के साथ माहौल में एक खास उत्सुकता है, जैसे पूरी नगरी कुछ महान घटित होने की प्रतीक्षा कर रही हो। राम मंदिर के पहले तल पर राम दरबार की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही मंदिर परिसर में छह अन्य देवालयों में भी पूजन और प्रतिष्ठा की रस्में पूरी हुईं। यह सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि भारत की आत्मा और उसकी आधुनिक आकांक्षाओं के बीच एक नया सेतु

बनते हुए देखा गया। राम मंदिर कोई सामान्य इमारत नहीं है। यह उन असंख्य पीढ़ियों की प्रतीक्षा, तपस्या और बलिदान का प्रतीक है जिन्होंने प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए वर्षों तक प्रार्थनाएं कीं। जहां कभी विवादों और संघर्षों का केंद्र रहा यह स्थान, आज वहां भव्य और शांतिपूर्ण रूप से खड़ा है एक भव्य मंदिर, रेत पत्थर और संगमरमर से निर्मित, जिसकी सुनहरी कलशें आकाश को चीरती हुई प्रतीत होती हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसका निर्माण कार्य है जो असाधारण गति से पूरा हुआ। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करने के बाद, महज पांच वर्षों में यह भव्य निर्माण लगभग पूरा हो गया। यह भारत की एकजुटता और सामूहिक इच्छाशक्ति का जीवंत उदाहरण है। इस तेज गति से निर्माण का श्रेय काफी हद तक पीएम मोदी को जाता है। उन्होंने इसे सिर्फ एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्र के एक व्रत की तरह देखा। उन्होंने इस कार्य की निगरानी के लिए अपने पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का प्रमुख नियुक्त किया, जो अपनी कार्यकुशलता और नीतिगत स्पष्टता के लिए जाने जाते हैं। देशभर से आए शिल्पकारों ने परंपरागत तकनीकों से मंदिर निर्माण में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने फंडिंग से लेकर प्रशासनिक अड़चनों को दूर करने तक हर पहलू पर कड़ी नजर रखी।

# ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन के हमले में जख्मी बक्सर का जवान शहीद

♦ देश के लिए सर्वोच्च बलिदान कर गया चौसा का सुनील, जानकारी मिलते ही परिजनों में छाया मातम

♦ इलाज के दौरान गुरूवार को मिली शहादत

**केटी न्यूज/ बक्सर**

देश के लिए सर्वोच्च बलिदान करना शायद ही किसी जवान को नसीब होता है। जिले के चौसा निवासी और भारतीय थल सेना के जवान सुनील यादव उन विरले शहीदो में शामिल हो गए है, जिन्होंने देश सेवा के कर्तव्य पथ की बली बेदी पर खुद को अर्पित कर दिया है।

इसकी सूचना मिलते ही स्वजनों में मातम छाया है, लेकिन उनमें इस बात का गर्व है कि उनका बेटा देश सेवा के काम आया है तथा शहादत देकर भी देश और देशवासियों की रक्षा की है। शनिवार को उनका शव पैतृक गांव चौसा के नरबतपुर लाया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार सुनील ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू काश्मीर के रजौरी मे तैनात थे। नौ मई की रात पाकिस्तानी ड्रोन अटैक में वे घायल हो गए थे। जिसके बाद उनका इलाज स्थानीय सेना के अस्पताल में चल रहा था।

सीज फायर के बाद 15 मई को उन्हें रजौरी से उधमपुर सेना अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया था, लेकिन इलाज के दौरान वे सदा के लिए अमर हो गए।

**जम्मू काश्मीर की सीमा पर पाकिस्तान से लोहा ले रहा था:** सुनील चौसा के नरबतपुर निवासी जनार्दन सिंह के तीन पुत्रों में बड़े थे। माता पवधारी देवी सेवानिवृत शिक्षिका है। वहीं वे अपने पीछे माता पिता के अलावे पत्नी सुजाता देवी, पुत्रों सौरव कुमार सिंह व कृष के अलावे दो भाईयों रामदीन तथा चंदन सिंह को छोड़ गए है। ग्रामीणों ने बताया कि चंदन भी आर्मी का जवान है तथा पहलगाम हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वह भी अपने भाई के साथ जम्मू काश्मीर की सीमा पर पाकिस्तान से लोहा ले रहा था। जिस वक्त सुनील ड्रोन हमले का शिकार हुआ उस वक्त चंदन की तैनाती उससे मात्र सात किलोमीटर दूर थी। भाई के शहादत की खबर मिलते ही चंदन भी चित्कार कर उठा है। सबसे खराब हाल उसकी मां तथा पत्नी का है।

ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को उनका शव पैतृक गांव नरबतपुर लाया जाएगा। उनके अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों के साथ ही पूरा जिला शव आने का इंतजार कर रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सुनील बचपन से ही साहसी व बहादूर था तथा उसमें देश सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। पहलगाम हमले के बाद वह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ जारी जंग में काफी बहादूरी दिखा रहा था तथा पाकिस्तान की तरफ से आने वाले हर ड्रोन को मार गिरा था, इसी दौरान गलती से एक ड्रोन का कुछ हिस्सा उसे आ लगा, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया तथा इलाज के दौरान शहादत को वरण किया है। चौसा के इस लाल पर पूरे जिले को गर्व महसूस हो रहा है।

## एक नजर

### महागठबंधन की सरकार बनी तो महिलाओं को प्रतिमाह मिलेगा 2500 रूपए: डॉ. मनोज पांडेय

**बक्सर।** बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटि के निर्देशानुसार शुक्रवार को बक्सर जिला कांग्रेस कमेटि द्वारा मां-बहन सम्मान योजना का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने किया। अपने संबोधन में डॉ पांडेय ने कहा कि यदि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो प्रत्येक महीने सभी महिलाओं को 2500 रूपए मानदेय की राशि खाते में दी जाएगी। जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी एवं प्रदेश में महिला सशक्तिकरण धरातल पर उतरेगा। उन्होंने कहा कि गरीब महिलाओं को गरीबी से निकलने में यह योजना काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. प्रमोद कुमार ओझा ने कहा कि महागठबंधन की यह योजना महिलाओं के लिए क्रांतिकारी कदम है इससे न केवल बिहार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बल्कि गरीब महिलाओं को खर्च करने की शक्ति बढ़ेगी, जिससे बिहार की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने के साथ ही हर जरूरतमंद महिलाओं के खाते में प्रतिमाह 2500 रूपए का मानदेय राशि दी जाएगी। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी त्रिलोकी नाथ मिश्र, प्रो. पीके मिश्र, संजय कुमार पांडेयख, संजय कुमार दूबे, रूनी देवी, रोहित उपाध्याय, कुमकुम देव अभय मिश्र, जयराम राम, बीरेंद्र राम, महिमा उपाध्याय समेत कई अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

### रंग लाई मेहनत: राजेन्द्र उपाध्याय बने कस्टम इंस्पेक्टर, गांव में खुशी की लहर

**केसठ।** यदि इरादे बुलंद हों और लक्ष्य स्पष्ट हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। यह साबित कर दिखाया है प्रखंड के दसियांव गांव निवासी अजय कुमार उपाध्याय के बेटे राजेन्द्र उपाध्याय ने, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से एसएससी-सीजीएल परीक्षा में 4214वीं रैंक प्राप्त कर कस्टम इंस्पेक्टर पद पर चयन हासिल किया है।किसान परिवार में पले-बढ़े राजेन्द्र ने बचपन से ही शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनके पिता अजय कुमार उपाध्याय एक प्राइवेट शिक्षक हैं और मां कंचन देवी एक गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने राजेन्द्र की पढ़ाई में कभी कोई कमी नहीं आने दी। मुगलसराय से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने वाले राजेन्द्र ने अपने दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल किया।राजेन्द्र वर्तमान में बेंगलुरु में नियुक्त हुए हैं। उनकी सफलता से पूरे गांव और परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटीं और परिवारजनों ने एक-दूसरे को बधाइयां दीं। राजेन्द्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह सफलता मेरे माता-पिता, परिवार और मेरे शिक्षकों के सहयोग से संभव हो पाई है। मैं अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी से करूंगा और आने वाले वर्षों में यूपीएससी पास कर देश की सेवा करना चाहता हूं। गौरतलब है कि राजेन्द्र पिछले छह वर्षों से रेलवे में सेवादे रहे थे। इस दौरान वे नौकरी के साथ-साथ निरंतर सीजीएल की तैयारी भी करते रहे। पहले प्रयास में असफलता मिलने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और दूसरे प्रयास में यह बड़ी सफलता हासिल की। उनकी यह यात्रा उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है जो सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा रखते हैं।

## खबरें फटाफट

### अवैध हथियार के अभियुक्त को कोर्ट ने सुनाई दो वर्ष की सजा

**बक्सर।** दो वर्ष पूर्व अवैध असलहे के साथ पुलिस गिरफ्त में आए एक अभियुक्त को कोर्ट ने दो वर्ष की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 10 हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी देवेश कुमार ने सिकरौल थाना कांड संख्या 42/ 2023 के अभियुक्त व थाना क्षेत्र के बसाव कला गांव निवासी पटल पांडेय उर्फ रतन पांडेय को सुनाया है। जिला अभियोजन पदाधिकारी अशोक त्रिपाठी ने बताया कि 16 मई 2023 को सिकरौल थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी करते हुए अभियुक्त को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में की गई, जहां अलग-अलग दफाओं में 2 वर्ष एवं 6 माह की सजा सुनाई गई, वहीं पांच-पांच हजार रुपए का अर्थ दंड लगाया गया, अर्थ दंड नहीं देने पर अभियुक्त को अतिरिक्त समय जेल में बिताने पडेंगे। फैसले के बाद अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है।

## ईद-उल-जोहा (बकरीद) को लेकर डीएम व एसपी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

# मिश्रित आबादी वाले सभी इलाकों में करें विशेष निगरानी: जिलाधिकारी

♦ पर्व से पूर्व सभी मस्जिदों व ईदगाहों की होगी विशेष सफाई

♦ बिजली आपूर्ति रहेगी निर्बाध, ट्रैफिक व्यवस्था होगी दुरूस्त

### साइबर सेनानी ग्रुप्स पर नजर रखने का निर्देश

जिलाधिकारी ने बकरीद पर उपद्रव या हिंसा रोकने के लिए बक्सर तथा डुमरांव अनुमंडल के एसडीएम व एसडीपीओ को साईबर सेनानी व्हाटसएप ग्रुप पर असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर गहरी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सोशल मीडिया व थानों के साइबर सेनानी व्हाट्सएप ग्रुपों पर नजर बनाकर हम क्षेत्र में हो रही गतिविधियों पर पैनी नजर रख सकते है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भ्रामक या सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वाले पोस्टो पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया।

**केटी न्यूज/बक्सर**

ईद-उल-जोहा (बकरीद) के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिए डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से नगर भवन बक्सर में प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों को ब्रीफिंग की। इस दौरान उन्हें बकरीद के दौरान अपनी ड्यूटि पर मुश्तैद रहने तथा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करने, सोसल मीडिया व साइबर सेनानी ग्रुपों पर नजर रखने सहित कई आवश्यक निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि बकरीद को लेकर कुल 99 मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। साथ ही, 25 गश्ती दल मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी, दो जोनल मजिस्ट्रेट को प्रतिनियुक्त किया गया है।

**नगर निकायों को दी जिम्मेदारी:** जिलाधिकारी ने जिले के सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों को ईदगाहों एवं मजिस्दों के आस-पास पर्याप्त साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया। वहीं, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता को पर्व के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि बकरीद के दौरान सुबह में नहाने धोने के लिए पानी की आवश्यकता पड़ेगी, ऐसे में बिजली आपूर्ति निर्बाध गति से होनी चाहिए।

वहीं, बकरीद के मौके पर पढ़ी जाने वाली नमाज के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए जिलाधिकारी ने यातायात पुलिस के उपाधीक्षक को समुचित तरीके से यातायात प्रबंधन कराने का निर्देश दिया, ताकी नमाज पढ़ने जाने व लौटने के दौरान नमाजियों को टैजफिक जाम का सामना न करना पड़े तथा आम यात्रियों को भी किसी तरह की परेशानी न होने पाए।

**सभी प्रमुख जगहों पर होगी शुद्ध पेयजल की व्यवस्था:** जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल बक्सर एवं सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय बक्सर जिला को बकरीद के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया।

**आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेगी एंबुलेंस व अग्निशमन वाहन:** जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि सदर अस्पताल बक्सर, अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव तथा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही पर्याप्त मात्रा में दवाओं के साथ एम्बुलेंस भी तैयार स्थिति में रखेंगे। जबकि जिला अग्निशमन पदाधिकारी को जिला नियंत्रण कक्ष समाहरणालय बक्सर, मॉडल थाना बक्सर एवं डुमरांव थाना में एक-एक तैयार हालत में फायर बिग्रेड का वाहन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि अगलगी की स्थिति में उससे तत्काल निपटा जा सकें। पुलिस केन्द्र प्रभारी को बज्र वाहन के साथ दंगा पार्टी की प्रतिनियुक्ति बक्सर नगर थाना एवं डुमरांव थाना में करने का निर्देश दिया गया, जो बक्सर व डुमरांव के एसडीपीओ के निर्देश पर काम करेंगे।

**पशुओं की तस्करी व क्रूरता पर रहेगी प्रशासन की नजर:** बकरीद पर्व पर मुस्लिम समुदाय के द्वारा पशुओं की कुर्बानी दी जाती है। साम्प्रदायिक कटुता उत्पन्न करने के लिए शरारती तत्वों के द्वारा पशु के मांस, खून को धार्मिक स्थलों पर फेंके जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने इस दृष्टिकोण से भी निगरानी एवं सतर्कता बरतने का निर्देश सभी मजिस्टेज्ट व पुलिस पदाधिकारियों को दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे स्थान जहां दोनों समुदाय के धार्मिक स्थल समीप है एवं दोनों समुदाय की मिश्रित आबादी है, उन सभी स्थानों पर विशेष सतर्कता एवं विशेष निगरानी की आवश्यकता है।

सभी थानाध्यक्ष, बीडीओ व सीओ को निर्देश दिया गया कि कुर्बानी के नमाज के समय मस्जिदों के पास स्वयं गश्ती करेंगे तथा पशुओं के रखाव, खरीद बिक्री, परिवहन, तस्करी, पशु क्रूरता आदि पर उपलब्ध वैधानिक प्रावधान का अनुपालन करते हुए कार्रवाई करेंगे।

## सरपंच के निधन पर ग्राम कचहरियों में रहा नो वर्क

**केटी न्यूज/राजपुर**

प्रखंड के बारुपुर पंचायत की सरपंच कस्तूरी देवी के आकस्मिक निधन पर राजपुर ग्राम कचहरी में सरपंच संघ द्वारा शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच संघ अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह ने की। मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस दुखद अवसर पर सभी 19 पंचायतों की ग्राम कचहरियों में नो वर्क का पालन करते हुए सभी कार्यवाहियों को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।

शोक सभा में सरपंच विश्वामित्र सिंह, संजय यादव, उपेन्द्र पासवान, मीना कुवंर, किरण देवी, गोविंद देवी, अरविंद राम, रमेश राम, अखिलेश राम, तथा न्याय मित्र नेहा भारती समेत अनेक जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित थे। इससे पूर्व सरपंच संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बारुपुर स्थित कस्तूरी देवी के पैतृक आवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। वहीं, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उदय नारायण राजभर ने पुष्पगुच्छ अर्पित कर नम आँखों से श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कस्तूरी देवी ने पिछले तीन वर्षों से पंचायत में न्यायिक पद पर रहते हुए गांव स्तर के अनेक मामलों को कानूनी तरीके से सुलझाया और ग्रामीण न्याय प्रणाली को मजबूत किया।

श्रद्धांजलि सभा में उनके पति शशिकांत राजभर, सुभासपा अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत राजभर, हरेंद्र राजभर, जिला अध्यक्ष अजय राजभर, महासचिव सुनील राजभर, श्रीराम राजभर, रोशन राजभर तथा सलाहकार दल राजभर सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

## पूर्व के विवाद में युवक की पिटाई, केस दर्ज

**डुमरांव।** डुमरांव थाना क्षेत्र के कसियां गांव में आपसी विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट की गई है। इस संबंध में पीड़ित नितेश कुमार ने थाने में आवेदन देकर पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि कुछ दिन पहले गांव में खेल के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। उस समय ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था। लेकिन, सुबह जब वह किराना दुकान से सामान लेने के लिए निकला, तभी आरोपियों ने रास्ते में उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए उसकी पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया।

## उपद्रवी तत्वों की नहीं रहेगी खैर, चप्पे-चप्पे पर मौजूद रहेगी पुलिस

♦ बकरीद पर्व को लेकर डुमरांव व नया भोजपुर थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

**केटी न्यूज/डुमरांव**

बकरीद को लेकर डुमरांव व नया भोजपुर थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अधिकारियों ने शांतिपूर्ण व सदभाव के माहौल में पर्व मनाने की नसीहत दी और कहा कि बकरीद के दौरान चप्पे-चप्पे पर मजिस्टेज्ट के नेतृत्व में पुलिस तैनात रहेगी तथा उपद्रवी तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डुमरांव थाना परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता एसडीएम राकेश कुमार ने व संचालन एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने की। बैठक में प्रशासनिक अधिकारी और शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान डीएसपी ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों से संवाद करते हुए कहा कि बकरीद का पर्व आपसी भाईचारे, मेल-जोल और सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पर्व को शांति, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें और पुलिस प्रशासन को तत्काल सूचना दें।

एसडीपीओ ने कहा कि त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और गश्त भी तेज की जाएगी। वहीं एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से सजग और सतर्क है। पर्व के दौरान सफाई, पानी, बिजली और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नगर परिषद को निर्देश दिया गया है कि ईदगाह और मस्जिदों के आसपास की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही समय पर जल आपूर्ति और बिजली व्यवस्था भी बनी रहे, इसके लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या आने पर लोग तुरंत प्रशासन से संपर्क करें, समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी समुदायों से सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की और कहा कि प्रशासन हर स्तर पर मुस्तैद है।

## चुनाव को लेकर वीसी में शामिल हुए बक्सर जिलाधिकारी, बोले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी...

# आयोग के निर्देशों का हो अक्षरश: पालन

♦ समुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर समेत सभी जिलों की तैयारियों का लिया जायजा

**केटी न्यूज/बक्सर**

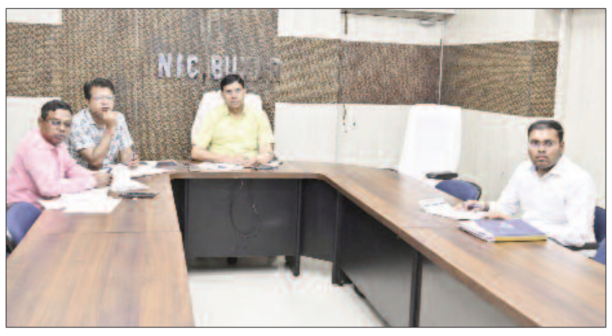

आगामी बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के मद्देनजर बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। इस वीसी में बक्सर डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने भाग लिया।

वीसी में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलाधिकारियों को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद प्राप्त लंबित पत्रों के निष्पादन, अंतिम प्रकाशन के बाद निर्वाचक सूची में से प्रत्येक पैरामीटर जैसे महिलाओं को जोड़ने, मृत व्यक्तियों के नाम को डिलीट करने आदि अन्य विसंगतियों को दूर करने के संबंध में निर्देशित किया तथा कहा कि चुनाव के कार्य के दौरान लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर सख्त कार्रवाई करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिलाधिकारियों से कहा कि आगामी बिहार विधान सभा के चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना है। इसके लिए सभी को अभी से ही तैयारी में लग जाना है।

**ईवीएम के प्रथम स्तरीय जांच को त्रुटि रहित कराने का दिया निर्देश:** वहीं, निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिलाधिकारियों को ईवीएम के प्रथम स्तरीय जांच को त्रुटि रहित एवं पूर्ण सुरक्षा में कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ईवीएम का प्रथम स्तरीय जांच आयोग के दिशा निर्देश के तहत करना है।

वहीं, बूथों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं के संबंध में सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यकताओं के पूर्व आंकलन करने, सीएपीएफ (एफएलसी) बलों के ठहराव, कार्मिक डेटाबेस के अद्यतीकरण एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए अन्य कई आवश्यक निर्देश दिए गए, जिसका अक्षरशः पालने किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधान सभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची का प्रकाशन व ईवीएम मशीन का सत्यापन पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING,Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

# ब्लैक फ्राइडे: अलग-अलग कारणों से पीटीसी एवं दारोगा की मौत

♦ कोरान सराय में पिकअप की टक्कर से पीटीसी जवान की मौत

**केटी न्यूज/डुमरांव**

शुक्रवार का दिन बक्सर पुलिस के लिए ब्लैक फाइडे साबित हुआ, जहां महज कुछ घंटों के अंतराल पर ही अलग-अलग कारणों से एक पीटीसी जवान व एक दारोगा समेत दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इन घटनाओं से महकमे में मायूशी छाई है।

पहली घटना कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय छोटका पड़ाव की है, जहां पिकअप के धक्के से बिहार पुलिस के एक पीटीसी जवान की मौत हो गई है। घटना गुरुवार मध्य रात्रि की है। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद पिकअप चालक पिकअप छोड़ फरार हो गया है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया है, जबकि दुर्घटना को अंजाम देने वाली पिकअप को अपने अभिरक्षा में ले उसके रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक की पहचान का प्रयास कर रही है। मृतक की पहचान कोरान सराय थाना क्षेत्र के मुंगाव गांव निवासी सुदामा प्रसाद के 32 वर्षीय पुत्र मुन्ना कुमार के रूप में की गई है।

**प्रशिक्षण के दौरान बकरीद के मद्देनजर लगाई गई थी ड्यूटि :** बताया जाता है कि उसकी पोस्टिंग भागलपुर जिला बल में थी तथा वर्तमान में वह डुमरांव के हरियाणा फार्म स्थित बि सैप में पीटीसी का प्रशिक्षण लेने आया था तथा प्रशिक्षण के दौरान उसकी ड्यूटि बकरीद के मद्देनजर लगाई गई थी, हालांकि वह देर रात किस काम से कोरान सराय गया था, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था। परिजनों के चीख पुकार से घटनास्थल का माहौल गमगीन हो गया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने भारी मन से मृतक का अंतिम संस्कार किया।

कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पिकअप चालक के पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

## तिलक राय के हाता थाना में तैनात दारोगा ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, मचा कोहराम

दूसरी तरफ तिलक राय के हाता थाने में तैनात एक दारोगा शालिक सिंह उम्र 55 वर्ष की वाराणसी में इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें हाई ब्लड प्रेशर व सुगर था तथा पिछले कुछ महीनों से उनकी किडनी भी फेल हो गई थी, जिस कारण उनका इलाज वाराणसी में कराया जा रहा था। जहां, इलाज के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांसे ली। घटना के बाद से उनकी पत्नी कांति देवी, पुत्रों अभिषेक कुमार सिंह व रवि शंकर सिंह का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में मायूशी छाई है।

**बकरीद की पूर्व संध्या पर बक्सर में जिलाधिकारी व एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च**

# भयमुक्त माहौल में आप मनाएं बकरीद प्रशासन पूरी तरह से तत्पर: डीएम

♦ नप क्षेत्र में सीसीटीवी के माध्यम से रखी जा रही है सतत निगरानी

**केटी न्यूज/बक्सर**

ईद-उल-जोहा (बकरीद) के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द एवं विधि व्यवस्था के संधारण हेतु शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से यमुना चौक से मॉडल थाना होते हुए ज्योति चौक तक फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान प्रतिनियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर ससमय उपस्थित होकर दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

सभी गश्तीदल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि लगातार भ्रमणशील रहकर स्थिति का जायजा लेते रहेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में सीसीटीवी के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले के विरुद्ध कड़ी कारवाई की जाएगी।

सिविल सर्जन बक्सर को निदेश दिया गया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव एवं सदर अस्पताल बक्सर को अलर्ट मोड में रखेंगे एवं पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर सदर तथा डुमरांव द्वारा अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत शांति एवं विधि व्यवस्था का संधारण करेंगे। दोनों अनुमंडलों के एसडीएम व एसडीपीओ को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत विधि व्यवस्था का संधारण करेंगे। बकरीद पर विधि व्यवस्था संधारण के लिए जिला नियंत्रण कक्ष बक्सर कलेक्ट्रेट स्थित जिला आपदा शाखा में चिन्हित भवन में कार्यरत रहेगा। जिसका दूरभाष संख्या 06183-223333 है।

**फ्लैग मार्च निकाल शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण तरीके से बकरीद पर्व मनाने की अपील:** पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा शुक्रवार की संध्या बकरीद पर्व को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकलकर नगर के विभिन्न चौक-चौराहों होते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए समाप्त हुई। इसका नेतृत्व बीडीओ संदीप कुमार पांडेय व अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने किया। बीडीओ ने बताया कि शांति व भयमुक्त वातावरण स्थापित करने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च निकाला गया। किसी प्रकार की अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस-प्रशासन की टीम अलर्ट मोड में निगेहबानी में जुटी हुई है। कानून को हाथ में लेने वाले किसी असमाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और किसी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। वहीं अपर थानाध्यक्ष ने कहा कि बकरीद पर्व को लेकर शहर के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। हर स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। इस दौरान पुलिस बल ने पूरे शहर में पैदल गश्ती करते हुए लोगों को यह संदेश दिया कि वे पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। फ्लैग मार्च के दौरान बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को देखकर लोगों में भरोसा और आत्मविश्वास बढ़ा।

**थाने में भी आयोजित हुई शांति समिति की बैठक:** वहीं नया भोजपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक कर दोनों संप्रदायों से शांति व भाईचारे के माहौल में बकरीद मनाने की अपीली की गई। एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या आपत्तिजनक गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। वहीं एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। साथ ही, ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी भी की जाएगी। बिजली, पानी, साफ-सफाई व अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं।

## सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं बकरीद, असामाजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर

**नावानगर।** बकरीद त्यौहार को लेकर सोनवर्षा थाना प्रांगण में शुक्रवार को शांति समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने कहा कि सभी लोग मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में बकरीद का त्यौहार मनाएं। त्यौहार के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी करने वाले असामाजिक तत्वों पर उनकी पैनी नजर रहेगी। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सचेत है। थानाध्यक्ष ने कहा कि त्यौहार की पूर्व से ही इंटरनेट व सोशल मीडिया पर प्रशासन की कड़ी नजर है। किसी भी तरह के विवादित या आपत्तिजनक पोस्ट शेयर करने वालों के खिलाफ प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। वहीं, जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान के निर्देश पर थाना क्षेत्र के चौक-चौराहों पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। बैठक में थाना क्षेत्र के तमाम पंचायत प्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

**एक नजर**

## राजपुर में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक, सौहार्द बनाए रखने की अपील

**राजपुर।** बकरीद पर्व के मद्देनजर राजपुर थाना परिसर में क्षेत्र की शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसआई सुनील कुमार साह ने की। उन्होंने कहा कि बकरीद के दिन नमाज के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। सभी ईदगाहों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बलों की तैनाती की गई है। आम लोगों से अपील की गई कि वे किसी भी तरह की अफवाहों से बचें और सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसआई साह ने कहा कि सभी लोग अपने-अपने धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बुद्धिजीवी वर्ग और जनप्रतिनिधि भी शांति व्यवस्था की निगरानी करेंगे और पुलिस का सहयोग करेंगे। मौके पर सरपंच फुटूचन्द सिंह, संजय सिंह, विश्वामित्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## सीपीआई नेता जयकिशुन को दी गई श्रद्धांजलि

**राजपुर।** मंगराव पंचायत के संगरॉव गांव निवासी वयोवृद्ध और समर्पित कम्युनिस्ट नेता जयकिशुन सिंह का बुधवार की शाम 95 वर्ष की आयु में उनके निजी आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों से लोग बड़ी संख्या में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने उनके आवास पर पहुंच गए। सभी ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी विदाई दी। पंचायत के पूर्व मुखिया मकरध्वज सिंह विद्रोही ने उन्हें याद करते हुए कहा कि एक समय ऐसा भी था जब यह क्षेत्र अनेक समस्याओं से जूझ रहा था और मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। अंतिम यात्रा में सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम सिंह, पैक्स अध्यक्ष राजेश सिंह, जदयू नेता दीनदयाल कुशवाहा, पूर्व उप मुखिया हसामुद्दीन अंसारी समेत सैकड़ों ग्रामीण और राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

## भाजपा ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से नेतृत्व सशक्तिकरण पर किया विचार

**डुमरांव।** भाजपा कोरान सराय मंडल की बैठक स्थानीय सभागार में की गई बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पांडे ने किया। वहीं बैठक में कोरान सराय मंडल भाजपा के बूथ सशक्तिकरण प्रभारी संतोष दुबे ने कहा कि कोरान सराय मंडल में 53 बूथ हैं, सभी बूथ मजबूत हो इसके लिये शक्ति केंद्र प्रभारी एवं मंडल के पदाधिकारी आज से ही अपना बूथ सबसे मजबूत के अभियान में लग जाएं और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनता तक जरूर पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत प्रत्येक शक्ति केंद्र पर भाजपा का बूथ सशक्तिकरण अभियान चल रहा है। भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता पार्टी के पदाधिकारी जिला से लेकर मंडल स्तर तक के लगे हुए हैं, हमें भी गठबंधन से जो भी उम्मीदवार आएगा उसकी जीत सुनिश्चित करने के लिये लग जाना है। बैठक में जिला से भाजपा के जिला मंत्री अरविंद पासवान, भाजपा नेता दयाशंकर तिवारी, मंडल के दोनों महामंत्री गणेश वर्मा, सुमित शर्मा, कोरान सराय शक्ति केंद्र के प्रभारी विजय शंकर तिवारी उर्फ भोला तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

## सिलकुटवा बस्ती के पास फटे पाइप को नप ने कराया चेंज, मिली राहत

**केटी न्यूज/डुमरांव**

महीनों से जलजमाव की त्राशदी झेल रहे नगरवासियों को शुक्रवार को निजात मिल गई। नगर परिषद ने अपनी हो रही बदनामी को देखते हुए जमा पानी को निकालने के लिये जेसीबी के साथ मजदूरों को भेज काम शुरू करवा दिया। मालूम हो कि वाटर सप्लाई का पाइप सिलकूटवा बस्ती के पास महीनों से टूटा हुआ था, जिससे स्टेशन रोड में जलजमाव की स्थिति बनी हुई थी।

नप इस लिये उस पर संज्ञान नहीं ले रहा था कि यह सब पीएचईडी जिम्मे है। जलजमाव होने से किस विभाग का पाइप है, इससे किसी को कोई मतलब नहीं था, लोग नप के कार्य प्रणाली को ही दोष दे रहे थे। अपनी हो रही बदनामी को देखते हुए नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता, ईओ मनीष कुमार ने वार्ड पार्षदों की सहमति से उक्त टूटे पाइप को शुक्रवार को बदलना शुरू किया। टूटे स्थान पर जेसीबी के साथ कर्मचारियों को भेजा। फिर जेसीबी लगाकर टूटे पाइप को निकाला गया।

टूटे पाइप को निकाल नया पाइप को जोड़ा गया। फिर जमा पानी को निकालने के लिये नाले से मिलाने के लिये गड्ढे की खुदाई की गई। गढ्ढे को नाली तक मिलान कराया गया, ताकि पानी असानी से निकल जाए। तीन दिन पहले जो बारिश हुई थी पानी का दायरा बढ़कर सिलकूटवा बस्ती तक पहुंच गया था। कई घरों में पानी प्रवेश भी कर गया था, साथ कमल नगर में भी पानी प्रवेश करने से नाली भर जाने से रोड पर बहने लगा था, जिससे सभी लोग घबड़ा गए थे।

## एपीडब्लूडी की बैठक में अधिकारियों का हुआ चयन

**केटी न्यूज/डुमरांव**

स्थानीय प्रखंड स्थित सभागार में एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स विथ डिसेबिलिटीज द्वारा दिव्यांगजन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम सह पुनः जिला स्तरीय चुनाव का आयोजन किया गया। सभी अपनी-अपनी बात रख पूर्व के साथियों पर विश्वास जताया। फिर आने वाले विधान सभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग अधिक से अधिक लोग करें, इस पर लोगों को जागरूक करने की बात कही गई।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल दिव्यांगजनों को उनके मतदान अधिकारों के प्रति जागरूक करना था, बल्कि उन्हें सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना व संगठनात्मक नेतृत्व को मजबूती प्रदान करना भी था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एपीडब्लूडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा उर्फ कवि जी, विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हरदेव प्रसाद, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अगस्त कुमार उपाध्याय, आरटीआई के प्रदेश प्रभारी मुकेश कुमार महतो, प्रदेश महिला प्राकष्ठ प्रभारी अंजू कुमारी सहित अन्य विशिष्टजनों ने अपने विचारों के माध्यम से दिव्यांगजनों को आत्मबल, अधिकार और कर्तव्य का बोध कराया। इस दौरान पुनः निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की गई जिसमें निम्नलिखित जिला कार्यकारिणी का गठन एवं निर्वाचन भी संपन्न हुआ। जिसमें जिला अध्यक्ष- अगस्त कुमार उपाध्याय, जिला कार्यकारी अध्यक्ष- राकेश कुमार राय, जिला उपाध्यक्ष- विकास कुमार प्रसाद, जिला सचिव- अभिनंदन सिंह, जिला संयुक्त सचिव- संजय कुमार राय, जिला महासचिव उमेश कुमार सिंह, शंकर प्रसाद गुप्ता, महिला प्रभारी अंजली कुमारी, प्रभारी नंद जी शर्मा, अरविंद कुमार, रोजगार नियोजन प्रभारी- विष्णु पासवान, खेलकूद प्रभारी निरंजन कुमार सिंह, कानूनी सलाहकार धनजी ठाकुर, चिकित्सा सलाहकार रोहित कुमार, सदस्य ज्योति कुमारी, आरती कुमारी को बनाया गया।

## खरवार स्वाभिमान बचाओ सह हुंकार महासम्मेलन की तैयारी को लेकर तय हुई रणनीति

**सूर्य देव प्राण प्रतिष्ठा व भंडारे के साथ यज्ञ का हुआ समापन**

# ईश्वर से मनुष्य को दूर करता है अहंकार: प्रज्ञा

**केटी न्यूज/केसठ**

प्रखंड अंतर्गत केसठ सोनवर्षा मार्ग स्थित डिहरा गांव के पोखरा शिव मंदिर के परिसर में आठ दिवसीय सूर्य देव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया गया था। महायज्ञ में आचार्य गुड्डन पांडे, कमला दुबे, नारायण जी दुबे आदि द्वारा प्रतिदिन विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान को वैदिक मंत्रोच्चार व हवनादि के साथ संपन्न कराया गया।

साथ ही प्रतिदिन संध्या समय कथा वाचकों के द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं के बीच श्रीमद् भागवत कथा, श्री रामचरितमानस कथा, भगवान सूर्य नारायण की कथा का रसपान कराया गया। यज्ञ के सातवें दिन गुरुवार की संध्या कथावाचक शैलेश बापूजी महाराज, सुश्री किशोरी प्रज्ञा पांडे अयोध्या धाम आदि कथा वाचकों के द्वारा कथा का रसपान कराया गया। अंतिम दिन उपस्थित किशोरी प्रज्ञा पांडे का कथा सुनने के लिए श्रोताओं की हुजूम उमड़ पड़ी। भक्ति के प्रति महिलाओं में काफी श्रद्धा देखी गई। कथा 12 बजे रात्रि तक चला। कथा विश्राम तक श्रोता टस से मस नहीं हुए। प्रज्ञा द्वारा श्रोताओं के बीच कई ज्ञान युक्त मार्मिक बातें कही गई। उन्होंने कहा कि प्रकृति के 24 तत्वों से संबंध करके जीव बंधन में बांधता है। 24 तत्वों का बंधन ही मनुष्य में अहंकार पैदा करता है। अहंकार वह चीज है जो ईश्वर से मनुष्य को दूर कर देता है। मनुष्य अहंकार में सब कुछ भूल जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि अहंकार मनुष्य के पतन का कारण भी बन जाता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अहंकार से बचाना अति आवश्यक है। अपने आप पर काबू रखना चाहिए। साथ ही बच्चों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर सही समय पर बच्चों को माता-पिता संस्कार और शिक्षा न दें तो यह माता-पिता के लिए बहुत घातक बन जाता है और बाद में माता-पिता ही बच्चों के नजर में दुश्मन बन जाते हैं। और अच्छी परवरिश न रहने पर वह अपने माता-पिता पर अत्याचार और उनसे कलह क्लेश करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए संस्कार जरूरी है। तभी वह बच्चे आगे कुछ अच्छे कर पाते हैं। इस तरह कई बातें कहीं। वहीं शुक्रवार की सुबह विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान सूर्य देव का प्राण प्रतिष्ठा हुआ।

# बोले राहुल गांधी... प्रधानमंत्री मोदी को सरेंडर करने की आदत, मैंने 11 बार कराया है

- बिहार की नई डेफिनेशन क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया है, कहां से कहां पहुंच गए...

**केटी न्यूज/पटना**

राहुल गांधी ने शुक्रवार को राजगीर में कहा कि मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रम्प ने सार्वजनिक तौर पर 11 बार बोला कि मैंने मोदी को सरेंडर करवाया। पीएम कुछ नहीं बोल पाए। वो क्यों नहीं बोले कि ट्रम्प झूठ बोल रहे हैं। वे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अति पिछड़ा समाज को संबोधित कर रहे थे। अपने 30 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं । जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो आप कैसे ओबीसी हो गए। बिहार की नई डेफिनेशन क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया है, कहां से कहां पहुंच गए आप। पहले नालंदा में पूरी दुनिया से लोग आते थे, आज यहां से पूरी दुनिया में जाते हैं। देश का बजट 11 अफसरों ने बनाया। 90 प्रतिशत वाले दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा वाले उनमें कोई नहीं है। वहीं मजदूरों में आपको सिर्फ ओबीसी, दलित, अति पिछड़ा मिलेंगे। प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए सरकार जमीन देती है, लेकिन एक भी हॉस्पिटल के मालिक दलित है तो बता दीजिए। जातीय जनगणना के साथ अगर हमने बाकी डेटा जो सरकार के पास है, वो जोड़ दिया तो विकास का बिल्कुल नया आयाम सामने आएगा, और बिहार से इसकी शुरूआत होगी। ये आइडिया कहां से आया कि देश में सिर्फ 50 प्रतिशत आरक्षण हो सकता है। आपकी आबादी 90 फीसदी और दीवार बना रहे हैं कि 50 फीसदी आरक्षण हो सकता है।

## दशरथ मांझी के बेटे ने जताई चुनाव लड़ने की इच्छा

गयाजी। राहुल गांधी माउंटेन मैन दशरथ मांझी के गांव गहलौर पहुंचे। यहां उन्होंने दशरथ मांझी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी से मुलाकात की। भगीरथ मांझी का हाथ पकड़कर राहुल गांधी चलते दिखे। दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी ने राहुल गांधी से कहा कि मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। भगीरथ मांझी ने राहुल गांधी से जिले के बोधगया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की भी इच्छा जताई। गयाजी में महिलाओं से संवाद किया। राहुल गांधी गयाजी में एक रिसॉर्ट में राहुल गांधी ने महिलाओं से संवाद किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को महिलाएं चलाती हैं, लेकिन अभी महिलाओं को वो जगह नहीं मिली है। सरकार, ब्यूरोक्रेसी देख लीजिए महिलाओं की स्थिति क्या है।"हम चाहते हैं कि ये बदले। बिहार में हर फिल्ड में महिलाओं को आगे बढ़ाना चाहते हैं। हमने मैनिफेस्टो में 2500 रुपए देने की बात कही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि राहुल गांधी ने ओबीसी, ईबीसी, आदिवासी के लोगों को ये बताया कि हमारा सामाजिक न्याय सत्ता में आपकी भागीदारी होगी।

**बाकरगंज स्थित सरार्फा मंडी में स्वणार्भूषण के तीन थोक कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी**

# वाणिज्य कर विभाग का छापा में 3 दुकान से 70 किलो सोना बरामद

- 5500 किलो चांदी भी बरामद करने में मिली सफलता
- लंबे समय से बिना वैध बिल के हो रहा था सोना चांदी का व्यवसाय

**केटी न्यूज/पटना**

वाणिज्य कर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार यह छापेमारी विगत गुरुवार की दोपहर शुरू की गई थी, जो शुक्रवार की शाम तक जारी रही। जांच टीम ने जब इन तीनों स्वर्ण कारोबारियों के ठिकानों से जब्त की गई सोना और चांदी से संबंधित वैध दस्तावेजों की मांग की, तो तीनों कारोबारियों ने अपने हाथ खड़े कर दिए। वाणिज्य कर विभाग ने राजधानी पटना के बाकरगंज स्थित सरार्फा मंडी में स्वणार्भूषण के तीन थोक कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों की जीएसटी चोरी का पदार्फाश किया है। इस छापेमारी में कुल 70 किलो सोना और 5 हजार 500 किलो चांदी बरामद की गई है। यह कार्रवाई बिना किसी कागजात और बिल के सोना और चांदी की खरीद-बिक्री कर बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी को लेकर की गई है।

**पेनाल्टी भी वसूल की जाएगी :** विभाग ने इन तीन स्वर्ण कारोबारियों से फिलहाल दो करोड़ रुपए के टैक्स की वसूली कर ली है। जबकि शेष बकाए टैक्स की सूद समेत वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन तीनों स्वर्ण व्यापारियों से पेनाल्टी भी वसूल की जाएगी।

**लपेटे में आ सकते हैं बड़े स्वर्ण कारोबारी :** विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बाकरगंज इलाके में लंबे समय से बिना वैध बिल और जीएसटी भुगतान के सोना-चांदी की भारी मात्रा में खरीद-बिक्री की जा रही थी। इस सूचना को सत्यापित करने के लिए विभाग की विशेष अन्वेषण शाखा ने व्यापक आंकड़े और डिजिटल साक्ष्य इकट्ठा किए थे। इन साक्ष्यों के आधार पर ही गुरुवार को यह कार्रवाई शुरू की गई। छापेमारी के दौरान जिन व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, उनके व्यावसायिक परिसरों को सील कर दिया गया है।

**जांच प्रक्रिया रहेगी जारी** : विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण का कार्य अभी जारी है और आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभाग यह भी जांच कर रहा है कि यह किसी संगठित कर चोरी गिरोह का तो हिस्सा तो नहीं है। इस कर चोरी के रैकेट में शामिल अन्य लोगों और सप्लायर्स की पहचान कर उन्हें भी कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बाकरगंज इलाके में लंबे समय से बिना वैध बिल और जीएसटी भुगतान के सोना-चांदी की भारी मात्रा में खरीद-बिक्री की जा रही थी. इस सूचना को सत्यापित करने के लिए विभाग की विशेष अन्वेषण शाखा ने व्यापक आंकड़े और डिजिटल साक्ष्य इकट्ठा किए थे। छापेमारी के दौरान जिन व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, उनके व्यावसायिक परिसरों को सील कर दिया गया है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण का कार्य अभी जारी है और आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## तेज आंधी बारिश में महिला बच्ची समेत तीन लोगों की मौत

**पटना।** बिहार में तेज आंधी और बारिश की चपेट में आने से नाबालिग और महिला समेत तीन लोगों की मौत हुई है। पहली घटना बिरौल प्रखंड के लदहो पंचायत अंतर्गत कमलाबाड़ी गांव की है। मृतकों की पहचान चन्द्रबली पासवान की पुत्री अशमी कुमारी (10) और गोनारा तरवारा पंचायत के तरवारा गांव निवासी रेनू सहनी की पत्नी दुलारी देवी (45) के रूप में हुई है। अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई।

## सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के लिए नई गाइडलाइन, डीईओ को मिली अहम जिम्मेदारी

- स्कूलों की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर पांच मानक तय किए गये हैं सभी का अनुपालन कराना जरूरी

**केटी न्यूज/पटना**

शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को जारी किया आदेश बिहार शिक्षा परियोजना परिषद राज्य ने सभी स्कूलों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए सक्रिय हो गई है। इसके लिए विद्यालय सुरक्षा एवं संरक्षा मार्गदर्शिका 2021 के अनुपालन का निर्देश जारी किया गया है। यह निर्देश परिषद की तरफ से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को भेजा गया है। राज्य परियोजना निदेशक मयंक वरवड़े की तरफ से जारी इस पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय से पारित आदेश और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय की ओर से यह तैयार किया गया है।

सभी जिलों को इस बात का खासतौर से ध्यान रखना है कि गाइडलाइन में उल्लेखित सभी प्रावधानों का स्कूलों में प्रभावी ढंग से पालन हो। इसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। स्कूलों की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर पांच मानक तय किए गये हैं। तय मानकों को अनुसार, स्कूल भवनों में चहारदीवारी का होना आवश्यक है। इसके साथ ही क्लास में पंखे व्यवस्थित ढंग से लगे होने चाहिए। विद्यालय में आपातकालीन द्वार का होना जरूरी है। कक्षा में छात्रों के व्यवहार को मॉनिटर करना जरूरी है। छात्रों को व्यक्तिगत सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देना अहम है। गुड टच और बैड टच के अंतर के बारे में बताया जाना चाहिए। वहीं स्कूल में बुनियादी दवा बॉक्स-प्राथमिक चिकित्सा किट के साथ-साथ हेल्थ चेकअप को बेहद अहम बताया गया है। छात्रों को व्यापक स्वास्थ्य कार्ड मुहैया कराना जरूरी है। स्कूलों में साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। इसके तहत विद्यालयों में इंटरनेट फैसिलिटी की उपलब्धता के साथ-साथ कम्प्यूटर क्लास में इलेक्ट्रॉनिक और तकनीकी उपकरणों की निगरानी के बारे में गाइडलाइन जारी किया गया है।

## बिहार पुलिस के सस्पेंड सिपाही के ठिकानों से एके -47 बरामद

**पटना।** बिहार पुलिस का निलंबित सिपाही व कुख्यात सरोज सिंह के ठिकानों पर हथियारों का जखीरा मिला है। सिपाही सरोज सिंह को एके-47, इंसास राइफल एवं अन्य हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम एवं समस्तीपुर जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कुख्यात सरोज सिंह, परशुराम सिंह, मुन्ना यादव, विश्वजीत सिंह, निशांत कुमार राय को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एक एक-47 राइफल, एक इंसास राइफल, एक कार्बाइन, पॉइंट 306 का एक राइफल के अलावा कई मैगजीन, जिंदा कारतूस के साथ-साथ लगभग एक करोड़ 10 लाख रुपए के जमीन के कागजात बरामद किए गए हैं। इस संबंध में मोहद्दीनगर थाना में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

**मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों तक को नहीं पहचानते**

# तेजस्वी यादव का सीएम नीतीश पर तीखा हमला, सड़क से सदन तक आंदोलन की दे दी चेतावनी

**केटी न्यूज/पटना**

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि नीतीश अपनी उम्र के कारण सरकार चलाने में अक्षम हैं और अपने मंत्रियों, विधायकों व सांसदों तक को नहीं पहचानते हैं। तेजस्वी ने बिहार में बढ़ते अपराध, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को घेरा, साथ ही जरूरत पड़ने पर सड़क से सदन तक आंदोलन की चेतावनी भी दे दी है। तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को प्रेस से बात करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों तक को नहीं पहचानते हैं। उनकी उम्र को देखते हुए हम टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन बिहार सुरक्षित हाथों में नहीं है। रिटायर्ड अधिकारी और थके हुए मुख्यमंत्री प्रशासन चला रहे हैं। तेजस्वी ने बिहार में बढ़ते अपराध पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में अपराध लगातार हो रहे हैं। सरकार नशे में है, किसी को कोई लेना-देना नहीं। कल उपमुख्यमंत्री एक बलात्कार पीड़िता के परिजनों से मिलने गए और वहां उल्टा कसम खिला रहे थे। बिहार की हालत देख लीजिए।वहीं, पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) की स्थिति पर तेजस्वी ने कहा कि अधीक्षक ठाकुर को बचाने का काम क्यों हो रहा है। उन्हें एक्सटेंशन दिया गया, क्या बिहार में कोई काबिल व्यक्ति नहीं है जो पीएमसीएच चला सके। उन्होंने बताया कि गुरुवार को वे एम्स गए थे, जहां लोगों ने उन्हें घेर लिया। वहां बेड नहीं मिल रहे, स्थिति बहुत खराब है। माफिया बिहार और केंद्र सरकार में बैठे हैं, जो जनता की पीड़ा को बढ़ा रहे हैं।

**आरक्षण का मुद्दा और आंदोलन की चेतावनी :** आरक्षण के मुद्दे पर नीतीश कुमार को पत्र लिखे जाने पर तेजस्वी ने कहा है कि मैं पहले से ही इस मुद्दे पर आंदोलन कर चुका हूं। जरूरत पड़ी तो फिर सड़क से सदन तक आंदोलन करेंगे। पत्र के जवाब पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मेरी छोड़िए, चिराग पासवान से पूछिए, उन्हें जवाब मिला या नहीं। इसके अलावा तेजस्वी ने नीतीश कुमार को सरकार चलाने में अक्षम बताते हुए कहा कि बिहार को चलाने लायक नेतृत्व चाहिए, जो नीतीश कुमार में नहीं है। इस बार जनता इन्हें गद्दी से उतार फेकेंगी।

# रथयात्रा पर भव्य होगा रांची का नजारा

## प्रभु जगन्नाथ के दर्शन के लिए उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

**रांची, एजेंसी।** झारखंड की राजधानी रांची में भी जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है। प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। रथ यात्रा के पहले दिन प्रभु जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और माता सुभद्रा के विग्रह गर्भगृह से बाहर आते हैं। फिर, रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी जाते हैं। यहां नौ दिनों तक जगन्नाथ स्वामी अपनी मौसी के घर पर विश्राम करते हैं। इसके बाद 10वें दिन वापस रथ पर सवार होकर मुख्य मंदिर लौट आते हैं।

इस साल रथ यात्रा 27 जून शुक्रवार से शुरु होने वाली है। यह यात्रा नौ दिनों तक चलेगी, जो 5 जुलाई को समाप्त होगी। रथ यात्रा में पहले और आखिरी दिन का काफी महत्व होता है। चूंकि, इन दोनों दिन प्रभु जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के रथों को खींचने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। हजारों-लाखों भक्त भगवान के रथों को खींचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह यात्रा प्रभु के प्रति भक्ति और एकता का प्रतीक है।

प्रभु श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा का हिंदू धर्म में बहुत अधिक महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रथ यात्रा में शामिल होने या भगवान के दर्शन करने मात्र से भक्तों के सभी पापों का नाश हो जाता है। इसके साथ ही भक्तों को जगन्नाथ स्वामी का आशीर्वाद मिलता है। इस दिव्य और भव्य यात्रा में भक्त बिना किसी भेदभाव और राग-द्वेष के शामिल होते हैं।

कहा जाता है कि रथ यात्रा के पहले और आखिरी दिन रथ खींचने से भक्तों पर प्रभु की विशेष कृपा बरसती है। रथ यात्रा के आखिरी दिन को 'घुरती रथ' भी कहा जाता है। रांची स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में रथ यात्रा के दौरान भव्य मेला लगता है, जिसका समापन घुरती रथ के दिन होता है।

प्रभु जगन्नाथ की पवित्र और दैवीय रथ यात्रा कैसे शुरू हुई, इसे लेकर कई मान्यतायें प्रचलित हैं। इनमें से एक पौराणिक मान्यता के अनुसार, कहा जाता है कि एक बार माता सुभद्रा ने अपने भाइयों भगवान बलभद्र और भगवान जगन्नाथ से नगर भ्रमण की इच्छा जाहिर की। इस पर दोनों भाइयों ने भव्य रथ का निर्माण करवाया। फिर, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करने निकले।

इस दौरान तीनों रास्ते में अपनी मौसी के घर पर भी रुके। फिर, नगर यात्रा पूरी कर वापस लौट आये। इसी के बाद से यह अद्भुत परंपरा मनाई जाती है। हर साल आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को तीनों भाई-बहन रथ पर सवार होकर निकलते हैं। रथ यात्रा में सबसे आगे प्रभु बलराम का रथ, बीच में बहन सुभद्रा का रथ और सबसे पीछे जगन्नाथ स्वामी का रथ होता है।

## अब झारखंड में बच नहीं पाएंगे फरार अपराधी, पकड़ने के लिए बनाया गया गजब का प्लान! गृह विभाग से नया नोटिफिकेशन जारी

**रांची, एजेंसी।** राज्य में माओवादियों-उग्रवादियों की तरह अब फरार अपराधियों की धर-पकड़ के लिए झारखंड पुलिस आम जनता से सहयोग लेगी। फरार अपराधियों पर दर्ज केस के आधार पर इनाम की घोषणा होगी। ऐसे अपराधियों को ग्रेड ए से लेकर ग्रेड ई तक यानी पांच ग्रेड में बांटा जाएगा। ऐसे अपराधियों पर दो लाख रुपये से लेकर 30 लाख रुपये तक के इनाम की घोषणा होगी। राज्य मंत्रिपरिषद की आठ मई की बैठक में ली गई स्वीकृति के बाद अब गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने भी संकल्प जारी कर दिया है।राज्य में अधिकतम 400 फरार माओवादियों, उग्रवादियों या अपराधियों के लिए इनाम की राशि की घोषणा हो सकती है। अपराधियों पर पुरस्कार राशि की वैधता दो साल तक रहेगी। पहली बार पुरस्कार की राशि की घोषणा के दो माह के भीतर गिरफ्तारी नहीं होने पर उक्त राशि को बढ़ाई जा सकती है। जारी संकल्प के अनुसार एसपी एक लाख रुपये तक के पुरस्कार की घोषणा कर सकते हैं। डीआइजी को एक लाख से ऊपर व पांच लाख रुपये तक के इनाम की घोषणा की शक्ति दी गई है। डीजी को पांच लाख से अधिक व दस लाख रुपये तक के इनाम की घोषणा की शक्ति दी गई है। राज्य के गृह मंत्री के पास दस लाख से 20 लाख रुपये तक के इनाम की घोषणा की शक्ति दी गई है। वहीं, 20 लाख से 30 लाख रुपये तक के इनाम की घोषणा की शक्ति मुख्यमंत्री के पास रहेगी। फरार अपराधियों की सूचना देने वालों के नाम गुप्त रखे जाएंगे। जारी संकल्प के अनुसार पुरस्कार की राशि के लिए अलग से बजट का प्रविधान होगा। अपराधियों की अपराध की प्रकृति के अनुसार इनाम की राशि तय होगी।इनमें संगठित व असंगठित गिरोह के अपराधी शामिल होंगे। इसमें हत्या, फिरौती के लिए अपहरण, डकैती, लूट, लूट या डकैती के क्रम में हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, अवैध हथियार का निर्माण व इसका व्यापार, नशे का कारोबार, एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित अपराध, सड़क लूट, साइबर अपराध, मानव तस्करी, अन्य किसी सनसनीखेज वारदात में संलिप्तता, कानून एवं व्यवस्था के लिए बाधक, डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में संलिप्त, विदेश से संचालित अपराध आदि से संबंधित अपराधी शामिल होंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

**धनबाद, एजेंसी।** आजाद नगर स्थित जनता मेडिकल के पास धनबाद से गया जाने वाली मुख्य रेलवे लाइन के डाउन लाइन पोल संख्या 273/30 के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना गुरुवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे की है। बताया जा रहा है कि बरकाकाना से धनबाद आ रही ट्रेन की चपेट में आने से उक्त व्यक्ति की मौत हुई। जीआरपी से इसकी सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। मृतक के पास कोई भी पहचान की वस्तु नहीं मिली। वह लाल रंग का गमछा पहने था। उसकी उम्र करीब 55 वर्ष है। खबर भेजे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पायी थी।

### सिरमटोली फ्लाईओवर के लोकार्पण पर बोले बाबूलाल मरांडी- आदिवासी समाज ठगा हुआ महसूस कर रहा

**रांची, एजेंसी।** झारखंड भाजपा के वरिष्ठ नेता सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर के उद्घाटन पर राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि 卐मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कल गुपचुप तरीके से सिरमटोली फ्लाईओवर का लोकार्पण किया, जिससे आदिवासी समाज ठगा हुआ महसूस कर रहा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा, 卐यह लोकार्पण पर्यावरण दिवस के दिन किया गया। लेकिन विडंबना यह रही कि प्रकृति और पर्यावरण के उपासक आदिवासी समाज की भावनाओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया।卐 सिरमटोली फ्लाईओवर रांची के यातायात को जरूर सुगम बनाएगा। लेकिन इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने से ही पास स्थित पवित्र सरना स्थल के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा था। भाजपा नेता ने आगे कहा कि आदिवासी समाज की धार्मिक आस्थाओं की अनदेखी कर, बिना कोई वैकल्पिक समाधान निकाले इस फ्लाइओवर का उद्घाटन करना आदिवासियों के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन विकास की दौड़ में आदिवासी समाज की अस्मिता, आस्था और परंपराओं का सम्मान भी उतना ही जरूरी है।

### रांची पहुंची खतियानी पदयात्रा, 9 जून को होगी राज्यपाल संतोष गंगावर से बात, ये है मांग

**रांची, एजेंसी।** झारखंड में फिर एक बार खतियानी आंदोलन ने रफ्तार पकड़ ली है। इसे लेकर राज्य में खतियानी पदयात्रा निकाली गयी है। जानकारी के अनुसार, खतियान आधारित स्थानीय व नियोजन नीति के मांग को लेकर दुमका से निकली खतियानी पदयात्रा 21वें दिन 5 जून (गुरुवार) को राजभवन पहुंची। इस अवसर पर संगठन के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि 9 जून को उनकी राज्यपाल से बात होगी ।देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि खतियान आधारित स्थानीय व नियोजन नीति के मांग का लेकर यह पदयात्रा निकाली गयी। राज्य में बिना स्थानीय नीति के नियुक्ति प्रक्रिया की जा रही है। यह बेईमानी है। स्थानीयता विधेयक को बार-बार लटकाया, भटकाया और अटकाया जा रहा है। सरकार स्थानीयता के मामले में उदासीन है ।बताया गया कि पदयात्रा में अमित मंडल, विजय सिंह, अयूब अली, दमयंती मुंडा, संजय महतो, आलोक उरांव, फुलेश्वर बैठा, निशा भगत सहित काफी संख्या में जेएलकेएम कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस पदयात्रा का शुभारंभ 15 मई को उपराजधानी दुमका से किया गया था। तय रूट के अनुसार पदयात्रा 21 विधानसभा क्षेत्रों से होते हुए 570 किमी की दूरी तय कर रांची पहुंची। गुरुवार को इसका शुभारंभ बूटी मोड़ से गाजे-बाजे के साथ हुआ। इस दौरान झारखंडियों की एक ही पहचान- 1932 का खतियान का नारा दिया गया। बूटी मोड़ से पदयात्रा निकाले जाने के कारण जगह-जगह जाम लग गया। वाहन रेंगते दिखे। एक घंटे तक कई जगह सड़कों की यही स्थिति बनी रही। पदयात्रा जब राजभवन पहुंची, तो सड़क को जाम से मुक्ति मिली।

## बकरीद पर रांची में कैसी रहेगी सुरक्षा व्यवस्था ड्रोन से इन इलाकों में रखी जाएगी पैनी नजर

**रांची, एजेंसी।** रांची में बकरीद के त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। सभी संवेदनशील स्थानों पर रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई है। झारखंड पुलिस के रैप, जैप, आईआरबी के जवानों को भी राजधानी में तैनात किया गया है।

आपातकालीन स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के लिए क्विक रिस्पांस टीम को अलर्ट पर रखा गया है। पूरे शहर में बाइक से पेट्रोलिंग की जाएगी। संवेदनशील जगहों पर ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने इलाकों में भ्रमणशील रहने का आदेश दिया गया है। अगर कोई शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करता है, तो उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। बकरीद को लेकर हिंदपीढ़ी में साफ-सफाई को लेकर जावेद अली उर्फ बंटी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने नगर आयुक्त से मुलाकात किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल की ओर से कहा गया कि बकरीद एक बड़ा त्योहार है, इसमें साफ-सफाई का अलग महत्व होता है। जिसे देखते हुए ब्लीचिंग पाउडर और नालियों में स्लैब लगाने का काम जल्द किया जाए।साथ ही नालियों, सड़क की साफ-सफाई बेहद जरूरी है। वहीं गर्मी को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम से पानी की सप्लाई की जाए। उन्होंने कहा की नाला रोड़ हिंदपीढ़ी में जो नाला का कार्य किया जा रहा है जो की बहुत धीरे-धीरे हो रहा जिसमें तेजी लाने की जरूत है।वहीं इससे नाला रोड के लोगों को परेशानी हो रही है।

## झारखंड के इस शहर में तोड़े जाएंगे 38 रेल आवास, बनेगी नई फोरलेन सड़क

**तापस बनर्जी, धनबाद।** धनबाद रेलवे स्टेशन के सामने से रांगाटांड़ चौक तक के सभी 38 रेल आवास तोड़े जाएंगे। इनमें दो अधिकारी आवास समेत 24 पत्थरकोठी व 12 टाइप-2 आवास शामिल हैं। आवासों को तोड़ने को लेकर इंजीनियरिंग विभाग ने सर्वे पूरा कर लिया है। रेल आवासों को तोड़ कर जमीन का समतलीकरण किया जाएगा, जहां स्टेशन रोड के पेट्रोल पंप के सामने से रांगाटांड़ तक नई फोरलेन सड़क बन कर तैयार होगी।

साथ ही मौजूदा आवासों के विकल्प के तौर पर रांगाटांड़ कालोनी के खाली जगहों पर 60 यूनिट नए रेल आवासों का निर्माण होगा। नए रेल आवासों के लिए दो अलग-अलग टावर का निर्माण होगा। बहुमंजिला रेल आवास टाइप-2 और टाइप-3 बनेंगे।

रांगाटांड़ कालोनी से प्रस्तावित नई फोरलेन सड़क का निर्माण पूरा होते ही मौजूदा स्टेशन रोड का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। स्टेशन रोड धनबाद स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया के दायरे में आ जाएगा। सर्कुलेटिंग एरिया को रेलवे नए सिरे से विकसित करेगी।

स्टेशन के अंदर प्रवेश और निकास के लिए

अलग-अलग मार्ग बनेंगे। स्टेशन जानेवाले वाहन सीधे जाएंगे। जिन वाहनों को रांगाटांड़ की ओर जाना होगा, उन्हें नई फोरलेन सड़क से रांगाटांड़ पहुंचना होगा।

सोननगर से अंडाल तक मल्टी ट्रैकिंग योजना के तहत धनबाद होकर दो नई रेल लाइन बिछेंगी। इसके अलावा धनबाद-चंद्रपुरा वैकल्पिक रेल मार्ग के लिए भी धनबाद से मतारी तक नई रेल लाइन बिछेगी। तीन नई रेल लाइनें बिछाने के लिए धनबाद स्टेशन के मौजूदा भवन को आगे शिफ्ट करना होगा। यात्रियों की आवश्यकताओं के मद्देनजर नया स्टेशन का निर्माण होगा। इसे ध्यान में रख कर स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने का प्लान तैयार किया गया है। मौजूदा भवन के आगे शिफ्ट होने के कारण ही स्टेशन रोड को सर्कुलेटिंग एरिया के दायरे में लाया जाएगा।

धनबाद स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने की तैयारी अंतिम चरण में है। वर्ल्ड क्लास स्टेशन के तौर पर विकसित करने में लगभग 300 करोड़ खर्च होंगे। इस राशि से स्टेशन पर एयरपोर्ट सरीखे सुविधाएं विकसित की जाएंगी।इनमें प्रत्येक स्टेशन पर स्वचलित सीढ़ी व लिफ्ट, यात्रियों से जुड़ी सभी सुविधाएं एक साथ एक जगह पर उपलब्ध कराने जैसी योजना शामिल हैं।

## राष्ट्रपति के दौरे से पहले देवघर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, प्रोटोकॉल के मुताबिक हो रही तैयारियां

**देवघर, एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर 10 जून को देवघर आ रही हैं। उनके देवघर आगमन को लेकर जिला प्रशासन पुख्ता इंतजाम में जुट गया है। इसी कड़ी में बुधवार को डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी अजित पीटर डुंगडुंग ने समाहरणालय में प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

बैठक में डीसी नमन ने विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था के अलावा रूटलाइन की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों, कार्यपालक अभियंता और पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया। डीसी ने राष्ट्रपति की प्रस्तावित दो दिवसीय देवघर यात्रा के मद्देनजर उनके आवागमन वाले प्रस्तावित सभी मार्गों पर सुरक्षा

व्यवस्था के अलावा सड़क की मरम्मत भी सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने प्रोटोकॉल के मुताबिक समय पर सभी तैयारियों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने देवघर एयरपोर्ट, बाबा मंदिर, सर्किट हाउस व एम्स स्थित कार्यक्रम स्थल सहित सभी प्रमुख जगहों पर नोडल अधिकारी की तैनाती के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आवागमन वाले मार्ग में व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में डीसी-एसपी के अलावा नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी, बाबा वैद्यनाथ मंदिर सह एसडीओ देवघर, एसडीओ मधुपुर, सिविल सर्जन, एयरपोर्ट व एम्स के वरीय अधिकारी, उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण-11), पूर्वी रेलवे आसनसोल, एनडीसी, डीटीओ, डीपीआरओ, एसडीपीओ देवघर, डीएसपी यातायात, डीइओ, डीएस्य, भूमि सुधार उप समाहर्ता मधुपुर, डीएमओ, जिला सूचना विज्ञान पदधिकारी, डीएसओ, अवर प्रमंडल पदाधिकारी बीएसएनएल देवधर, स्टेशन प्रबंधक, जसीडीह देवघर बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन, अग्निशमन पदाधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सहित सभी विभागों के कार्यपालक रा अभियंता, जिला अभियंता जिला देन परिषद, एपीआरओ, डीएमएफटी की में टीम व संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

## साहिबगंज में गंगा दशहरा पर मां गंगा की भव्य महाआरती, हर हर गंगे से गूंज उठा तट

**धनबाद, एजेंसी।** झारखंड के साहिबगंज जिले में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा की भव्य आरती की गयी। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव की ओर से बनारस की तर्ज पर भव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। इससे पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने गर्म घाट में मां गंगा की विशेष पूजन-अर्चना की और गंगा अभिषेक किया। इस दौरान गर्म घाट से मनिहारी गंगा घाट होते हुए मुक्तेश्वरधाम बिजली सीढ़ी गंगा घाट तक मां गंगा का दुग्ध अभिषेक किया गया, जिसमें हजारों लीटर दूध मां गंगा को अर्पित किया गया। गंगा आरती करने के लिए बनारस से पुरोहित आये थे। बनारस के 11 सदस्यी पुरोहित और शंख वादक ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ मां गंगा की विशेष पूजा-अर्चना की।

पूजा के समय मां गंगा को 21 लीटर दूध, 21 लीटर गुलाब जल, केवड़ा जल, ठंडाई, आम रस, गन्ने का रस, सौंप का जल, केसर जल, गुलाब रस, केवड़ा रस, पंच अमृत, 108 फल में आम, अनार, नारियल, केला, सेब, दही, पंचाअमृत, वस्त्र चढ़ाया गया। साथ ही 108 प्रज्वलित दीप दान गंगा में किया गया।

वहीं, 70 सदस्यी गंगा आरती की टीम में 11 पुरोहित व शंख वादक, 11 पुरोहित गंगा आरती, 25 डमरू वादक, 5 घड़ी घंट, 12 रिद्धि-सिद्धि शामिल थे, जिन्होंने मां गंगा की महाआरती की। इस दौरान जय मां गंगे व हर हर गंगे के जयकारा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। गंगा महाआरती देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंचे थे।

इस दौरान गंगा घाट और गंगा नदी से लगते मार्गों के मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। इस मौके पर मुख्य रूप से पंडित मनोज अग्रहरि पंडित कुणाल काल भैरव, आचार्य शुभम काल भैरव,एसडीपीओ किशोर तिर्की, अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू, थाना प्रभारी अमित गुप्ता, राहुल यादव, राजीव यादव जुलाई यादव ,शिव लखन यादव, योगी, यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

# पूर्वी भारत का सबसे बड़ा केबल स्टे ब्रिज 'सिरम टोली फ्लाईओवर', क्यों कहा गया ऐसा

**रांची, एजेंसी।** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अबुआ सरकार में राज्यवासियों को एक और फ्लाईओवर की सौगात दी। सीएम हेमंत ने 5 जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना कर मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। यह ब्रिज रांची के लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलायेगा। साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने में भी सहायक होगा। इससे पूर्व अबुआ सरकार राज्य की जनता को कांटाटोली फ्लाईओवर का तोहफा दे चुकी है।

सिरमटोली फ्लाईओवर में रांची रेलवे लाइन व मौजूदा ओवरब्रिज के ऊपर केबल का उपयोग हुआ है। पहली बार झारखंड में केबल का इस्तेमाल कर ब्रिज तैयार किया गया है। चूंकि, रेलवे व ओवरब्रिज के हिस्से में पिलर नहीं हो सकता था।

ऐसे में मलेशिया से 72 केबल मंगाये गये। इनमें से

36 केबल का इस्तेमाल रेलवे लाइन व 36 केबल का इस्तेमाल ओवरब्रिज के ऊपर किया गया है। हर केबल कवर्ड है। एक कवर्ड केबल में 55 केबल है। इसके सहारे ज्यादा से ज्यादा लोड वहन किया जा सकता है। लोड के मुताबिक केबल को टाइट किया जा सकता है। इसे पूर्वी भारत में रेलवे लाइन के ऊपर बना सबसे बड़ा केबल स्टे ब्रिज माना जा रहा है।

इस फ्लाइओवर के निर्माण में आधुनिक डिजाइन व तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। एलएंडटी कंपनी को यह काम ईपीसी मोड में मिला था। ऐसे में डिजाइन में उसने जरूरत के मुताबिक मोडिफिकेशन भी किया। कंपनी ने कई विशेषज्ञों को यहां लाकर इसके निर्माण में सलाह ली। बुर्ज खलीफा के निर्माण में लगे इंजीनियर भी यहां निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस ब्रिज का निर्माण कुल 355।76 करोड़ रुपये से हुआ है, जिसकी लंबाई करीब 2।34 किमी है। इसका शिलान्यास 19 अगस्त 2022 को किया गया था।

यह ब्रिज कई मायनों में खास है। इस केबल ब्रिज के निर्माण में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। सड़क सुरक्षा के लिए प्री-कास्ट पाइर कैप और प्री-कास्ट ग्रिडर से ब्रिज का निर्माण किया गया है। साथ ही पुल की नींव के लिए मोनो-पाइल फाउंडेशन का इस्तेमाल हुआ है। यह हरमू नदी के ऊपर बना 94 मीटर लंबा एक्सट्रडोज्ड केबल-स्टे ब्रिज है। यह 42 मीटर ऊंचा है। यह फ्लाईओवर कार्तिक उरांव के नाम से जनता को समर्पित किया गया है।

## झारखंड के 7 विश्वविद्यालयों को मिले रजिस्ट्रार, जेपीएससी ने जारी किया इंटरव्यू का रिजल्ट

**रांची, एजेंसी।** राज्य के सात राजकीय विश्वविद्यालयों को लंबे समय बाद रजिस्ट्रार मिल गए हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग ने गुरुवार को इन पदों पर नियुक्ति के लिए 29 मई को आयोजित साक्षात्कार का परिणाम जारी कर दिया। इसी के साथ आयोग ने नियुक्ति की अनुशंसा संबंधित विश्वविद्यालयों को कर दिया।

जेपीएससी द्वारा जारी किए गए परिणाम के अनुसार, बसंत कुमार झा रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पद के लिए चयनित किए गए हैं।

इसी तरह, विमल कुमार मिश्रा हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय, राधानाथ त्रिपाठी धनबाद स्थित विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, कुमारी अंजना जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, नफीस अहमद पलामू स्थित नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय, विक्रम शर्मा कोल्हान विश्वविद्यालय तथा राजीव रंजन शर्मा सिदो कान्हू विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पद के लिए चयनित हुए हैं।

राजीव रंजन शर्मा रांची के मारवाड़ी कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज हैं। बताते चलें कि आयोग ने इन पदों पर नियुक्ति के लिए 21 सितंबर 2023 को ही विज्ञापन जारी कर आवेदन मंगाए थे।

आयोग ने इन विश्वविद्यालयों में वित्त पदाधिकारी तथा परीक्षा नियंत्रक के लिए कम संख्या में योग्य अभ्यर्थी मिलने के कारण विज्ञापन रद कर दिया है। अब इन पदों के लिए नए सिरे से विज्ञापन जारी किया जाएगा।

## सुभाषितम्

प्रत्येक व्यक्ति की अच्छाई ही प्रजातंत्रीय शासन की सफलता का मूल सिद्धांत है। - राजगोपालाचारी

# सोवियत रूस की राह चला अमेरिका कर्ज लेकर घी पी रहे हैं ट्रंप

अमेरिका का आर्थिक संकट दिनों दिन गहराता ही जा रहा है। अमेरिका के ऊपर 36 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज हो चुका है जो अमेरिका की जीडीपी के मुकाबले 122 फीसदी को पार करने जा रहा है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते सारी दुनिया को जीतने और सारी दुनिया को अपनी मुट्ठी में कैद करने के लिए जो टैरिफ बार शुरू किया था उस टैरिफ बार मकड़ जाल में वह स्वयं फंसकर रह गए हैं। कैसे बाहर निकलेंगे उन्हें पता नहीं टेस्ला कंपनी के एलन मस्क ने अरबों रुपए खर्च करके डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव जितवाने में मदद की थी वही डोनाल्ड ट्रंप अब एलन मस्क से इतने नाराज हैं। उसकी मदद करना तो दूर जो सब्सिडी उसे अभी तक मिल रही थी उसे भी बंद करने जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप को कोई आदमी उनका विरोध करें यह उन्हें जरा भी पसंद नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय अहंकार के मद में चूर हैं। कर्ज पर कर्ज लेते चले जा रहे हैं। सारी दुनिया के देश को धमका रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता था कि अमेरिका के बिना दुनिया का कोई भी काम या दुनिया का कोई भी व्यापार संभव नहीं होगा लेकिन उसके इस अहंकार पर चीन ने सबसे ज्यादा चोट की है। चीन के सामने अमेरिका घिगयाने के लिए विवश हुआ है। चीन के जवाबी हमले ने ट्रंप के सारे कस और बल को निकाल दिया है। दुनिया में ट्रंप अब कमजोर राष्ट्रपति के रूप में देखे जा रहे हैं। जिस तरह से अमेरिका में महंगाई और मंडी बढ़ती चली जा रही है। 2025 की विकास दर 2.0 से घटकर 1.4 फीसदी होने की उम्मीद जताई जा रही है। अमेरिका में कर्ज और उसके ब्याज का बोझ जिस तरह कैसे बढ़ रहा है। इस पर अंकुश लगाने की स्थान पर जो तुगलकी फरमान डोनाल्ड ट्रंप जारी कर रहे हैं। उसको देखते हुए अब सारे विश्व में यह कहा जाने लगा है। जिस तरह से सोवियत रूस का विघटन 1990 के दशक में हुआ था लगभग वही हालत 2025 में अमेरिका की देखने को मिलने लगी है। जिस तरह से एक-एक करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेषज्ञों के साथ अपनी दुनिया बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में जो गड्ढा वह दूसरों के लिए खोद रहे थे अब उसी गड्ढे में वह स्वयं गिरते चले जा रहे हैं। यह धारणा सारी दुनिया के देशों में बनने लगी है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में जिस तरह से दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रंप को खरी खरी सुनाकर चले जाते हैं और अमेरिका उनका कुछ नहीं कर पाता है। अमेरिका के बढ़ते कर्ज पर जिस तरीके से शेयर बाजार वालस्ट्रीट और अन्य आर्थिक विशेषज्ञ अमेरिका के लिए कर्ज को खतरे की घंटी बता रहे हैं। यदि इस पर तुरंत अंकुश नहीं लगाया गया तो कभी भी अमेरिका में एक ऐसी स्थिति खड़ी हो सकती है। इसके बारे में अमेरिका ने कल्पना भी नहीं की थी अमेरिका एक संघीय देश है। राज्यों के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनको अनदेखा करते हुए जिस तरह की दादागिरी कर रहे हैं। उसके बाद यह बार-बार कहा जाने लगा है की जो सोवियत रूस का हुआ था यदि वही अमेरिका के साथ हो जाए तो किसी को आश्चर्य नहीं करना चाहिए 100 वर्ष के इतिहास में अमेरिका सबसे ज्यादा मुसीबत के दौर से गुजर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप इस स्थिति में सबसे खतरनाक व्यक्ति साबित हो रहे हैं। अमेरिका यदि कमजोर होता है तो वैश्विक स्तर पर अराजकता बढ़ेगी सारी दुनिया में अशांति होगी सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ सकती है। इस आसन का को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक बड़ी चिंता देखी जा रही है। भारत भी इस चिंता से दूर नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में जो तनाव बना है। इसका लाभ चीन और भारत के पड़ोसी देश उठा रहे हैं। चीन उनकी दोनों हाथों से मदद कर रहा है। उन्हें सैन्य हथियारों से लेकर अन्य आर्थिक मदद दी जा रही है। चीन की जो गतिविधियां हैं। वह भारत को कमजोर करने वाली हैं। भारत आज सारी दुनिया के देशों में अलग-अलग पड़ता चला जा रहा है। भारत के लिए भी यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है। कर्ज की इकोनॉमी से जब अमेरिका जैसा देश विघटन के दौर में पहुंच सकता है, तब आसानी से कल्पना की जा सकती है कि भारत के ऊपर जो कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। वह भारत को कौन सी दिशा और दशा होगी इसको लेकर भारत की चिंता भी अब देखने को मिलने लगी है।

## चिंतन-मनन

### इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना जरूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मजबूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

# अहिल्याबाई का विरासत पथ बना मोहन का विकास पथ

- हर्षवर्धन पान्डे

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को सुशासन, नारी सशक्तिकरण और जनकल्याण की प्रतीक माना जाता है। अपने शासनकाल में जनकल्याण और समावेशी विकास की ऐसी मिसाल कायम की जो आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी इस विरासत को न केवल संरक्षित करने का संकल्प लिया है, बल्कि इसे आधार बनाकर प्रदेश को विकास के नए आयामों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में सुशासन की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने न केवल प्रशासनिक दक्षता और न्यायप्रियता का परिचय दिया, बल्कि समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए। मंदिरों, घाटों, सरायों और जल संरक्षण परियोजनाओं के निर्माण के माध्यम से उन्होंने सामाजिक, सांस्कृतिक अभ्युदय को बढ़ावा दिया। उनकी यह विरासत आज भी मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का आधार है जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव अपने विजन से नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके आदर्शों को विकास नीतियों में समाहित करने का संकल्प लिया है। अहिल्याबाई की पुण्य गाथा से आज पूरा प्रदेश सरोबार रहा है जिसके चलते उनके कार्यों की जानकारी आम आदमी तक पहुंच रही है। डॉ. मोहन यादव की सरकार ने विरासत के साथ विकास के मंत्र को अपनाते हुए मध्यप्रदेश को एक समृद्ध और सशक्त राज्य बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनकी नीतियां और योजनाएं न केवल आर्थिक विकास पर केंद्रित हैं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता देती हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने का जो संकल्प लोकमाता लिया था, उसे डॉ. मोहन यादव की सरकार देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के माध्यम से साकार कर रही है। यह मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) मंत्र से प्रेरित है। इस मिशन के तहत बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं जैसे लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना, लखपति दीदी और महिला स्व-सहायता समूहों का सशक्तिकरण लागू किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अनेक धार्मिक स्थलों पर शराबबंदी जैसे कदम उठाए गए हैं।

अहिल्याबाई के शासनकाल में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता का विशेष महत्व था। डॉ. मोहन यादव ने इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए ई-गवर्नेंस की सुशासन प्रणालियों को प्रदेश में बेहतर ढंग से लागू किया है। उनकी सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनकल्याण पर्व जैसे अभियान शुरू किए हैं जिनमें शिविरों के माध्यम से योजनाओं का लाभ वंचित वर्गों तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महारानी अहिल्या के शासनकाल के फैसले, नीतियों से प्रेरित होकर अपनी कैबिनेट की बैठक इंदौर के राजबाड़ा में रखी जिसमें अहिल्याबाई की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर प्रदेश के विकास के लिए कई निर्णय लिए गए जिसमें 3876 करोड़ रु. की सौगात प्रदेश को दी गई। मोहन सरकार की मौजूदा नीतियों में शामिल सुशासन, जनसुनवाई और महिला सशक्तिकरण उन्हीं से प्रेरित है।डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के लिए कई पहल की हैं। अहिल्यादेवी द्वारा निर्मित मंदिरों, धर्मशालाओं और अन्य सामुदायिक संरचनाओं के रखरखाव के लिए अन्य राज्यों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, श्रीराम वन गमन पथ, श्रीकृष्ण पाथेय, और सिंहस्थ 2028 जैसे आयोजनों के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं। ये प्रयास न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगे, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। डॉ. मोहन यादव की सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक ठोस योजना तैयार की है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बीते डेढ़ वर्ष में औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित करने के लिए उन्होंने न केवल बेहतर नीतियां बनाई, बल्कि जमीनी स्तर पर निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव किए। इस तरह के भव्य आयोजनों ने विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती प्रदान की। इसके साथ ही निवेशकों के साथ सीएम डॉ.यादव ने सीधा संवाद स्थापित किया जिससे मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूके, जर्मनी और जापान की यात्रा कर वहां की प्रमुख कंपनियों और निवेशकों से संवाद स्थापित किया। अगले पांच वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।यह योजना उद्योग विभाग द्वारा तैयार की गई है और निवेशकों की बैठकों में इसे लागू करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। अहिल्याबाई होलकर ने जल संरक्षण और संवर्धन के लिए कई घाटों और जलाशयों का निर्माण करवाया था। उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए डॉ. मोहन यादव की सरकार ने केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना, और ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी है। ये परियोजनाएं किसानों के लिए वरदान साबित होंगी और प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगी। इसके अलावा जलगंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में मोहन सरकार नई लकीर खींचती हुई नजर आ रही है। मोहन सरकार खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में ह्यजल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान जन-भागीदारी से चलाया जा रहा है  जिसके सकारातमक परिणाम सामने आ रहे हैं जो 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलेगा।

# बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

- ललित गर्ग

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं।

# ऑपरेशन सिंदूर : दुनियाँ में मशहूर... फिर क्यों संसद से दूर !

-ओमप्रकाश मेहता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की सबसे बड़ी कूटनीति मानी जाने वाला ऑपरेशन सिंदूर एक दर्जन संसदीय प्रतिनिधि मंडलों को दो दर्जन से अधिक देशों में अरबों रूपए खर्च कर मशहूर किया गया, अब उस ऑपरेशन सिंदूर को संसद से क्यों दूर रखा जा रहा है?

प्रधानमंत्री जी से यह सवाल सोलह प्रतिपक्षी दलों ने बाकायदा लिखित में पूछा है और इसके जवाब में मोदी सरकार ने इस हेतु संसद का विशेष लघु सत्र बुलाने से साफ इंकार कर दिया है। सरकार का कहना है कि संसद का मानसून सत्र निकट है, उसी में मसले पर भी विस्तार से चर्चा हो सकती है, जबकि मानसून सत्र के विषयों की सूची अभी से बन चुकी है और उसमें यह विषय समाहित नही है। कुल मिलाकर मतलब यह है कि इस ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व पर दुनियां में एक जुटता परिलक्षित हो रही है जबकि हमारे ही देश में अब यह राजनीति का अंग बन गई है।

इस मसले पर मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस ने कहा है कि दो दिन पहले सिंगापुर में सीडीएस अनिल चैहान के खुलासे के बाद यह सत्र और भी आवश्यक हो गया हे सीजफायर के बारे में ट्रम्प के दावे व पहलगाम हमले के आरोपियों के गिरफ्त से दूर रहने जैसे सवालों के जवाब बहुत जरूरी है। जबकि सरकार का कहना है कि विपक्ष की यह मांग उचित नही है, जुलाई में संसद का मानसून सत्र प्रस्तावित है और उसमें विपक्ष को सवाल पूछने का पूरा मौका मिलेगा, जो भी सवाल होगें, सरकार जवाब देगी, ऐसे में मानसून सत्र से पहले विशेष सत्र की मांग उचित नही है, सरकार इस मांग पर विचार भी नही कर रही, सरकार का यह भी कहना है कि विशेष सत्र की परम्परा भी नही है, 1962 को छोड़कर संसद का विशेष सत्र कभी नही हुआ।

इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिपक्ष जो सरकार से सवाल पूछना चाहता है उनमें अमेरिका द्वारा सीजफायर का श्रेय लेने, आतंकवाद से निपटने की हमारी रणनीति तथा पाकिस्तान को दूनियां में कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने में सफलता को लेकर है और इन कथित अहम्‍ सवालों का माकूल जवाब प्रतिपक्ष सरकार से संसद के विशेष सत्र के दौरान चाहता है।

सोलह प्रतिपक्षी दल जिनमें मुख्य रूप से कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके, शिवसेना, आरजेडी, नेशनल कांफ्रेंस, माकपा, मुस्लिम लीग, भाकपा, आरएसपी, झामुमो तथा भाकपा (एमएल) शामिल है, सभी ने एक संयुक्त पत्र अपनी इस मांग को लेकर प्रधानमंत्री को लिखा है, इन दलों का आरोप है कि ऑपरेशन के बारें में दुनियां को बताया जा रहा है तथा संसद को बताया जा रहा है, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने युद्ध विराम से राष्ट्रीय सुरक्षा विदेश नीति के प्रभावित होने पर भी सवाल किया है, सरकार ने इस पर मौन साध रखा है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि एक ओर जहां इन दिनों ऑपरेशन सिंदूर काफी चर्चा में है, इसी बीच प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को जी-7 में आमंत्रित नही किए जाने पर भी सवाल उठाए है और इसे भारत की कूटनीतिक विफलता बताया है। इस प्रकार कुल मिलाकर इन दिनों प्रतिपक्ष के पास सरकार को घेरने के कई मसले है, शायद इसी कारण सरकार से इंकार करना है।

## आज का राशिफल

| | |
|---|---|
| **मेष** आज व्यापार में पैसों का प्रबंधन चुनौतीपूर्ण रहेगा। यदि आपने हाल ही में किसी क्लाइंट को उधारी दी है। | **तुला** आपकी वाणी और संपर्क कौशल आपको आर्थिक रूप से उन्नति की ओर ले जाएगा। |
| **वृषभ** रियल एस्टेट, बीमा, शेयर, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई नया सौदा मिल सकता है। | **वृश्चिक** आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके प्रयासों से आर्थिक पक्ष और सुदृढ़ होगा। |
| **मिथुन** विदेशी संपर्कों से या एक्सपोर्ट-इंपोर्ट व्यापार से जुड़े लोगों को बड़ा लाभ मिल सकता है। | **धनु** आज अचानक कोई बड़ा खर्च आ सकता है, विशेषकर संपत्ति या वाहन से संबंधित। |
| **कर्क** आज आर्थिक दृष्टि से दिन अत्यंत शुभ है। आपकी व्यापारिक योजनाएं सफल होंगी। | **मकर** आज दिन आर्थिक रूप से बेहद सकारात्मक है। बिजनस में बड़ा मुनाफा हो सकता है। |
| **सिंह** आज लाभ होगा और आपकी नेतृत्व क्षमता के चलते कार्यस्थल पर सराहना मिलेगी। | **कुंभ** पैसों को लेकर थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। खर्च का बोझ आज मानसिक तनाव दे सकता है। |
| **कन्या** कार्यक्षेत्र में बदलाव की संभावना है। प्रमोशन या वेतन वृद्धि की बात चल सकती है। | **मीन** शेयर मार्केट, ट्रेडिंग, विदेशी डीलिंग्स में लगे लोगों को लाभ हो सकता है। |

## विशेष

### ऐसे होगी जाम-फ्री दिल्ली

देश की राजधानी दिल्लीग की सड़कों में जाम की स्थिति जग-जाहिर है। अब दिल्ली की रेखा सरकार केंद्रीय गृह मंत्री गडकरी के साथ मिलकर इस समस्या से दिल्ली को निजाद दिलाने में जुट गई हैं। दरअसल केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ दिल्लीष की रेखा सरकार ने बैठक कर राजधानी के लिए कई सड़क परियोजनाएं शुरू करने को लेकर चर्चा की है। इसके तहत कुछ जगहों पर टनल बनाने की तैयारी है, तब कुछ जगह एलिवेटेड रोड के द्वारा जाम से निपटने की योजना है। इसके तहत राष्ट्री य राजमार्ग प्राधिकरण इंडिया गेट के पास स्थित 11 मूर्ति सर्किल से वसंत कुंज के नेल्सिन मंडेला रोड तक बनने वाले एलिवेटेड रोड के लिए एक लिंक टनल बनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

### पढ़ाई में हिंदी की आवश्यकता

एमएनएस नेता राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से अपील कर कहा है, कि सरकार लिखित आदेश जारी करे कि पहली कक्षा से बच्चों को सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाएगी, हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा। मतलब साफ है कि दक्षिण राज्यों में हिंदी विरोध जारी रहेगा। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र सरकार पहले तीन भाषाएं पढ़ाने का फैसला ले चुकी थी, जिसके तहत हिंदी की किताबें भी छप गई हैं। ऐसे में यदि  फडणवीस सरकार फिर से हिंदी को जरूरी करती है, तब राज ठाकरे की पार्टी आंदोलन करेगी। बताते चलें कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने का फैसला पूर्व में लिया जा चुका है, इसके तहत राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था।

## कार्टून कोना

### आज का इतिहास

1492 पोलैंड नरेश कालीमीर चतुर्थ का निधन हुआ . 1970 सोवियत अंतरिक्षयान सोयूज सैल्यूट अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ने में सफल हुआ. 1975 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार राष्ट्रीय फिल्म समारोह में परिवर्तित कर दिया गया. 1979 भारत के दूसरे उपग्रह भास्कर-एक का प्रक्षेपण सोवियत संघ से किया गया. 1988 बांगलादेश ने इस्लाम को राजधर्म घोषित किया. 1989 सूरी नाम का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ,जिसमे 177 व्यक्ति मारे गये. 1906 बर्मा के सैनिक शासकों ने विपक्षी नेता आंग सान सून के लिए कड़े कानून बनाये. 1999 कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक यात्री बस के नदी में गिर जाने से 94 लोगों की मृत्यु. 2000 प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के दाहिने घुटने का ऑपरेशन सफल रहा।

## दैनिक पंचांग

**7 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | |
|---|---|
| सूर्य | वृष में |
| चंद्र | तुला में |
| मंगल | सिंह में |
| बुध | मिथुन में |
| गुरु | मिथुन में |
| शुक्र | मेष में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

**राहुकाल** 9.00 से 10.30 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| मिथुन | 05.50 बजे से |
| कर्क | 08.03 बजे से |
| सिंह | 10.19 बजे से |
| कन्या | 12.31 बजे से |
| तुला | 14.42 बजे से |
| वृश्चिक | 16.56 ब.से |
| धनु | 19.12 बजे से |
| मकर | 21.18 बजे से |
| कुंभ | 23.04 बजे से |
| मीन | 00.37 बजे से |
| मेष | 02.07 बजे से |
| वृष | 03.48 बजे से |

**शनिवार** 2025 वर्ष का 158 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** द्वादशी अहोरात्र।
**नक्षत्र** चित्रा 09.40 बजे को समाप्त।
**योग** वरीयान 11.17 बजे को समाप्त।
**करण** बव 18.04 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 10.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 45'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872368
**जूलियन दिन** 2460833.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** जिल्हेज
**तारीख** 10
**विशेष** वैष्णव निर्जला एकादशी, ईद अल- अद्धा, बकरीद।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से | 07.23 बजे तक | लाभ | 05.37 से | 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | उद्वेग | 07.10 से | 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 से | 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 से | 11.46 बजे तक | अमृत | 10.14 से | 11.47 बजे तक |
| चर | 11.46 से | 01.14 बजे तक | चर | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 से | 02.42 बजे तक | रोग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 से | 04.10 बजे तक | काल | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| काल | 04.10 से | 05.37 बजे तक | लाभ | 04.23 से | 05.56 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# 7 जून को भारत में मनाई जाएगी बकरीद?

**हर साल धुल हिज्जा महीने की 10वीं तारीख को मनाई जाने वाली इस ईद की शुरुआत चांद के दीदार से होती है। हालांकि, सऊदी अरब और दूसरे देशों में बकरीद का चांद पहले ही नजर आ जाता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में सऊदी में चांद की तारीख से एक दिन आगे ईद का त्योहार मनाया जाता है। यही वजह है कि हर साल लोगों के मन में यह सवाल बना रहता है कि बकरीद कब है?**

### भारत में किस दिन है बकरीद?

भारत में बकरीद सऊदी अरब में चांद दिखने के बाद होती है। अरब में चांद के हिसाब से ईद 7 जून को भारत में मनाई जाएगी। इस दिन शनिवार होगा और यही दिन धुल हिज्जा महीने का दसवां दिन होता है। हालांकि, सऊदी अरब और कुछ दूसरे देशों में यह त्योहार शुक्रवार यानी 6 जून 2025 को मनाया जाएगा, क्योंकि वहां चांद का दीदार एक दिन पहले हो गया था। इसलिए आप बिल्कुल भी कंफ्यूज न हों क्योंकि भारत में ईद 7 जून को मनाई जाएगी।

### आखिर क्यों मनाई जाती है बकरीद?

बकरीद का इतिहास पैगंबर इब्राहीम अलैहिस्सलाम से जुड़ा हुआ है। इन्होंने अल्लाह के एक आदेश पर अपने बेटे को कुर्बान करने की इच्छा जताई थी। अल्लाह ने उनकी सच्ची नीयत देखकर उनके बेटे की जगह एक जानवर भेज दिया और तब से ही यह त्योहार कुर्बानी की याद में मनाया जाने लगा। अल्लाह से इस इम्तेहान इब्राहीम पास हो गए और पूरी कॉम के लिए एक मिसाल बन गए। यह किस्सा हमें बताता है कि अल्लाह की रजा में सब कुछ कुर्बान है, क्योंकि बेशक वोही बेहतरीन अता करने वाला है।

### कुर्बानी करने का सही तरीका

कुर्बानी करना बहुत ही अफजल माना जाता है। इस दौरान किसी एक जानवर जैसे बकरी, भेड़, गाय या ऊंट की हलाल तरीके से कुर्बानी दी जाती है। इसके बाद, जानवर को तीन हिस्सों में बांटा जाता है, जिसमें से एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए और तीसरा जरूरतमंदों और गरीबों के लिए होता है।

### कुर्बानी किन पर वाजिब है?

- कुर्बानी हर मुसलमान पर वाजिब नहीं है, सिर्फ उस शख्स पर जो इस्लाम में बताए गए नियम के अंदर आता है।
- पास कुर्बानी के लिए पैसा हो और साढ़े सात तोला सोना या साढ़े बावन तोला चांदी जिनता पैसा जमा हो।
- कुर्बानी केवल उस व्यक्ति पर वाजिब होती है, जो अक्लमंद और बालिग होता है।
- कुर्बानी मुसाफिर पर वाजिब नहीं होती, यह केवल मुकीम पर वाजिब होती है।
- कुर्बानी सिर्फ मर्दों पर नहीं, बल्कि औरतों पर भी वाजिब है, बशर्ते वो मालदार और समझदार हो।
- बकरीद धुल हिज्जा की 10वीं तारीख को आती है। यह महीना वैसे ही बहुत खास और पाक माना जाता है। इसी महीने में मुसलमान हज करने के लिए मक्का-मदीना जाते हैं, जो हर उस मुसलमान पर फर्ज है जो आर्थिक तौर मजबूत है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह सबसे महंगी यात्रा में से एक है।

# बकरीद पर जानवरों की कुर्बानी क्यों देते हैं मुसलमान, क्या कहता है कुरान?

**ईद उल अज़हा को लोग आमतौर पर बकरीद के नाम से भी जानते हैं. तो चलिये जानते हैं कि यह त्योहार मुसलमानों के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है? इन मौके पर जानवरों की कुर्बानी का क्या महत्व है और इसके पीछे इस्लामी नियम क्या कहते हैं? आइए, ईद उल अज़हा के इतिहास, महत्व, और इस्लामी कायदे-कानून को विस्तार से समझते हैं...**

ईद उल अज़हा को लोग आमतौर पर बकरीद के नाम से भी जानते हैं. यह दुनिया भर के मुसलमानों के लिए दूसरा सबसा बड़ा त्योहार है. इस त्योहर महत्व का इस बात से भी समझ सकते हैं कि दुनियाभर के मुसलमान इसी मौके पर हज करने मक्का जाते हैं. यह इस्लाम के पांच मूल सिद्धांतों में से एक है. इस त्योहार में दुनियाभर के करोड़ों मुसलमान जानवरों की कुर्बानी भी देते हैं. इस साल शनिवार 7 जून को ईद उल अजहा का त्योहार पड़ रहा है. लेकिन इसके साथ ही इस मौके पर दी जाने वाली जानवरों की कुर्बानी को लेकर एक बार फिर विवाद देखा जा रहा है. महाराष्ट्र की बीजेपी सरकार में मंत्री नितेश राणे ने मुस्लिम समुदाय को वर्चुअल बकरीद मनाने की सलाह दे दी है. राणे ने कहा है कि जब हिंदू त्योहार वर्चुअली मन सकते हैं, तो बकरीद क्यों नहीं? इतना ही नहीं, उन्होंने ये भी कहा कि अगर जबरदस्ती किसी सोसाइटी में बकरे कटेंगे तो महाराष्ट्र की हिंदुत्व सरकार छोड़ने वाली नहीं है. इस बीच इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने बकरीद के मौके पर मुस्लिम समुदाय को सिर्फ उन जानवरों की कुर्बानी देने की सलाह दी है जिन पर किसी तरह की कोई पाबंदी नहीं है. इसके साथ ही उन्होंने अपील की कुर्बानी किए गए जानवरों का खून नालियों में नहीं बहाया जाना चाहिए. तो चलिये जानते हैं कि यह त्योहार मुसलमानों के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है? इन मौके पर जानवरों की कुर्बानी का क्या महत्व है और इसके पीछे इस्लामी नियम क्या कहते हैं?

### ईद उल अज़हा का इतिहास

ईद उल अज़हा का इतिहास पैगंबर इब्राहिम अलैहिस्सलाम से जुड़ा है. वह इस्लाम, ईसाई और यहूदी तीनों ही धर्मों में सम्मानित पैगंबर हैं. कुरान के अनुसार, अल्लाह ने इब्राहिम अलैहिस्सलाम की भक्ति और आज्ञाकारिता की परीक्षा लेने के लिए उनसे अपने सबसे प्रिय बेटे की कुर्बानी मांगी. इस पर उन्होंने बिना हिचके अल्लाह की आज्ञा का पालन करने का फैसला किया और अपने प्रिय बेटे इस्माइल की कुर्बानी देने का फैसला किया. इस्लामिक मान्यता के अनुसार, हजरत इस्माइल अलैहिस्सालाम को भी रास्ते में एहसास हो गया कि उनके पिता अल्लाह के हुक्म पर उनकी कुर्बानी देने के लिए ही उन्हें लेकर जा रहे हैं. हालांकि इसके बावजूद वह पीछे नहीं हटे. उन्होंने बस इतना कहा कि उनके पिता अपनी आंखों पर पट्टी बांध लें, क्योंकि वह खुली आंखों से अपने बेटे पर छुरी नहीं चला सकेंगे. इस तरह इब्राहिम आंखों पर पट्टी बांधकर अपने बेटे की कुर्बानी देने ही वाले थे, तभी जिब्रील अलैहिस्सालाम वहां आए और नन्हें इस्माइल की जगह एक दुंबा (भेड़ जैसी एक नस्ल) रख देते हैं. जिब्रील बताते हैं कि अल्लाह ने उनकी कुर्बानी कबूल कर ली है.

### हर सक्षम मुसलमान के लिए कुर्बानी जरूरी

यह घटना कुरान में भी वर्णित है और इस्लाम में जानवरों की कुर्बानी की परंपरा का आधार बनी. यह त्योहार विश्वास, आज्ञाकारिता और अल्लाह के प्रति समर्पण का प्रतीक है. इसी की याद में मुसलमान हर साल ईद उल अज़हा पर जानवरों की कुर्बानी देते हैं. यह कुर्बानी अल्लाह के प्रति समर्पण और गरीबों के प्रति उदारता को दर्शाती है.

इस्लामी नियमों के अनुसार, कुर्बानी एक सुन्नत-ए-इब्राहिमी (यानी पैगंबर इब्राहिम की परंपरा) है, जिसे हर सक्षम मुसलमान पर वाजिब माना जाता है. हालांकि, यह केवल उन लोगों के लिए अनिवार्य है, जो आर्थिक रूप से सक्षम हों और निश्चित मात्रा में संपत्ति (निसाब) के मालिक हों. कुर्बानी के लिए आमतौर पर बकरी, भेड़ या ऊंट का चयन किया जाता है और इसे ज़िलहिज्जा (बकरीद के महीने) की 10वीं से 12वीं तारीख तक किया जाता है.

### कुर्बानी के लिए क्या हैं कायदे-कानून?

इस्लामी कायदे-कानून के अनुसार, कुर्बानी के लिए कुछ सख्त नियम हैं. सबसे पहले, जानवर स्वस्थ, वयस्क, और किसी भी शारीरिक दोष से मुक्त होना चाहिए. उदाहरण के लिए, बकरी या भेड़ कम से कम एक साल की होनी चाहिए, जबकि ऊंट पांच साल का होना चाहिए. कुर्बानी करने वाले व्यक्ति को नीयत (इरादा) करना होता है कि वह यह कुर्बानी केवल अल्लाह की राह में कर रहा है.

### तीन हिस्सों में बांटा जाता है कुर्बानी का मांस

कुर्बानी के जानवर का मांस तीन हिस्सों में बांटा जाता है. इसमें से एक हिस्सा परिवार के लिए, एक हिस्सा उन रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए जिनके घर कुर्बानी नहीं हुई है, और एक हिस्सा गरीबों-फकीरों के लिए रखा जाता है.

इस्लाम में कुर्बानी का मकसद बस मांस खाना या किसी जानवर की बलि देना नहीं है, बल्कि यह त्याग और दान की भावना को दर्शाता है. कुरान में भी कहा गया है, न उनका मांस अल्लाह तक पहुंचता है, न उनका खून, बल्कि अल्लाह तक तुम्हारा तकवा (ईश्वर का भय) पहुंचता है.' इसका मतलब है कि कुर्बानी का असली मकसद अल्लाह के प्रति भक्ति और समाज के प्रति जिम्मेदारी है. इसीलिए, बकरीद के दौरान मुसलमान नमाज अदा करते हैं, कुर्बानी देते हैं और लोगों के साथ त्योहार की खुशियां मनाते हैं.

### क्या दी जा सकती है वर्चुअल कुर्बानी?

ईद उल अज़हा की परंपरा 14 सदी पहले पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के समय से चली आ रही है. उन्होंने हज और कुर्बानी की परंपराओं को व्यवस्थित किया और इसे इस्लाम का अभिन्न हिस्सा बनाया. आज, दुनिया भर में लगभग 1.9 अरब मुसलमान इस त्योहार को मनाते हैं. इस साल, बकरीद 7 जून को मनाई जाएगी, और इसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं. दिल्ली की जामा मस्जिद, मुंबई की हाजी अली दरगाह, और लखनऊ की ईदगाह में खास नमाज का आयोजन होगा.

यह त्योहार हमें सिखाता है कि विश्वास और उदारता के साथ समाज में एकता और समृद्धि लाई जा सकती है. वैसे हाल के वर्षों में बकरीद को लेकर कुछ विवाद भी सामने आए हैं, जिसमें पशुओं की बलि को लेकर खास तौर से सवाल उठते रहे हैं. कुछ लोग इसे पर्यावरण या पशु क्रूरता से जोड़कर सवाल उठाते हैं. इसी कड़ी में कुछ लोग ईको फ्रेंडली होली या दिवाली का उदाहरण देते हुए वर्चुअल बकरीद मनाने की अपील भी करते हैं. हालांकि मुस्लिम विद्वानों का कहना है कि कुर्बानी एक धार्मिक कर्तव्य है, जिसे इस्लामी नियमों के तहत मानवीय तरीके से किया जाता है. इसके साथ ही वह कहते हैं कि वर्चुअल कुर्बानी जैसी किसी चीज की इस्लाम में इजाजत नहीं. वह कहते हैं कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में, जहां विभिन्न समुदाय एक साथ रहते हैं, इस तरह के मुद्दों पर संवेदनशीलता और आपसी समझ की जरूरत है.

# ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा के बीच क्या है फर्क

मुस्लिम धर्म के लिए ईद बहुत खास त्योहार है. ये साल में दो बार मनाया जाता है. पहले र में ईद-उल-फितर का त्योहार होता है, फिर ईद-उल-जुहा या ईद-उल-अजहा मनाया जाता है. ईद-उल-फितर को मीठी ईद और ईद-उल-अजहा को बकरीद कहा जाता है. मीठी ईद के करीब डेढ़ से दो महीने बाद बकरीद मनाई जाती है. मुस्लिम समुदाय के बीच मीठी ईद रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है. रमजान में सभी मुसलमान रोजे रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं और आखिरी दिन जब चांद का दीदार हो जाता है, तब अगले दिन ईद-उल-फितर मनाया जाता है. वहीं ईद-उल-अजहा को कुर्बानी का दिन कहा जाता है. आइए जानते हैं कि साल में दो बार ईद मनाए जाने के पीछे क्या हैं मान्यताएं.

ईद-उल-फितर या मीठी ईद पहली बार 624 ईस्वी में मनाई गई थी. कहा जाता है कि इस दिन पैगम्बर हजरत मोहम्मद ने बद्र के युद्ध में विजय हासिल की थी. पैगम्बर साहब की जीत की खुशी जाहिर करते हुए लोगों ने उस समय मिठाइयां बांटीं थीं. कई तरह के पकवान बनाकर जश्न मनाया था. तब से हर साल बकरीद से पहले मीठी ईद मनाई जाने लगी. कुरआन के अनुसार मीठी ईद को अल्लाह की तरफ से मिलने वाले इनाम का दिन माना जाता है. इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने में पूरे माह रोजे रखे जाते हैं और जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों और उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं तो अल्लाह एक दिन अपने इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है. बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल-फितर का नाम दिया गया है. वहीं अगर ईद-उल-अजहा की बात करें तो इस दिन का इतिहास हजरत इब्राहिम से जुड़ी एक घटना से है. ये दिन कुर्बानी का दिन माना जाता है. कहा जाता है कि अल्लाह ने एक दिन हजरत इब्राहिम से सपने में उनकी सबसे प्रिय चीज की कुर्बानी मांगी. हजरत इब्राहिम अपने बेटे से बहुत प्यार करते थे, लिहाजा उन्होंने अपने बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया. हजरत इब्राहिम बेटे का हाल आंखों से नहीं देख सकते थे, इसलिए उन्होंने आंखों पर पट्टी बांध ली थी. इब्राहिम ने बंद आंखों से अपने बेटे की कुर्बानी दी थी, लेकिन जब उन्होंने आंखें खोलीं, तो उनके बेटे की जगह वहां एक मेमने का सिर था. तभी से इस्लाम में बकरीद मनाने की शुरुआत हुई. इस दिन को कुर्बानी का दिन कहा जाने लगा. हर साल बकरीद के मौके पर बकरे की कुर्बानी दी जाती है.

## काम नहीं आ रही डोनाल्ड ट्रंप की धमकी, एप्पल ने भारत में टाटा को सौंपा जरूरी काम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल अपने तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार में आईफोन और मेकबुक की मरम्मत का काम टाटा ग्रुप को सौंप दिया है। सूत्रों के मुताबिक इससे पता चलता है कि अमेरिकी टेक दिग्गज की सप्लाई चेन में भारतीय समूह की भूमिका कितनी बढ़ रही है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के

मुताबिक चीन से बाहर मैन्युफैक्चरिंग के लिए ऐपल की नजरें टाटा पर हैं। टाटा पहले से ही दक्षिण भारत में तीन जगहों पर आईफोन बना रही है, जिनमें से एक जगह कुछ आईफोन पार्ट्स भी बनते हैं। सूत्रों के मुताबिक टाटा अब कर्नाटक में अपने आईफोन असेंबली कैंपस से आईफोन की आफ्टर सेल्स मरम्मत करेगी। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन मार्केट में मरम्मत का बाजार तेजी से बढ़ने वाला है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुमान के मुताबिक, पिछले साल भारत में लगभग 1.1 करोड़ आईफोन बिके थे, जिससे एप्पल को 7 प्रतिशत मार्केट शेयर मिला।

### भारत में बिजनस

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐपल को भारत में अमेरिकी बाजार के लिए आईफोन नहीं बनाने को कहा है। साथ ही उन्होंने भारत में बने आईफोन पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है। इसके बावजूद ऐपल भारत में तेजी से अपना विस्तार कर रही है। कंपनी ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक बड़ा उलटफेर किया है। उसने इस साल की पहली तिमाही में चीनी कंपनी शाओमी को बिक्री में पीछे छोड़ दिया है। ऐपल अब बाजार हिस्सेदारी के मामले में टॉप 5 में शामिल हो गई है।

## अब फ्लिपकार्ट से डायरेक्ट मिल जाएगा लोन

### ई-कॉमर्स कंपनी को आरबीआई से मिला लाइसेंस!

**नईदिल्ली, एजेंसी।** वॉलमार्ट की फ्लिपकार्ट ने भारतीय केंद्रीय बैंक और बैंकिंग रेगुलेटरी से कर्ज देने का लाइसेंस हासिल कर लिया है। इससे वह अपने प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों और विक्रेताओं को सीधे कर्ज दे सकेगी। रॉयटर्स और एक सोर्स द्वारा रिव्यू किए गए दस्तावेजों के

अनुसार, यह पहली बार है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में किसी बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी को गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) का लाइसेंस दिया है, जिससे उसे लोन देने की अनुमति तो मिली है, लेकिन जमा स्वीकार करने की नहीं।

### डायरेक्ट लोन देने में सक्षम

वर्तमान में अधिकांश ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बैंकों और एनबीएफसी के साथ गठजोड़ करके कर्ज देते हैं, लेकिन लोन देने का लाइसेंस फ्लिपकार्ट (भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स फर्म) को सीधे कर्ज देने में सक्षम बनाएगा, जो समूह के लिए अधिक आकर्षक मॉडल है। केंद्रीय बैंक ने 13 मार्च को फ्लिपकार्ट फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी किया (एक ऐसा दस्तावेज जो किसी कंपनी को आधिकारिक तौर पर NBFC के रूप में मान्यता देता है।) रॉयटर्स ने रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और 13 मार्च की तारीख वाले अप्रूवल लेटर दोनों की एक कॉपी की समीक्षा की है। अप्रूवल की पहले रिपोर्ट नहीं की गई थी।

# चांदी ने रच दिया इतिहास

## 2000 रुपये उछलकर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची, सोना भी चमचमाया

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के सराफा बाजार में गुरुवार को चांदी ने इतिहास रच दिया। यह 2,000 रुपये बढ़कर 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सोने की कीमतों में भी तेजी आई और यह 430 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़ गया। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई। जानकारों का कहना है कि औद्योगिक मांग और महंगाई से बचने के लिए निवेशकों के रुझान के कारण चांदी में यह उछाल आया है। वहीं, डॉलर के कमजोर होने और अमेरिकी कर्ज को लेकर चिंता के कारण सोने की कीमतें बढ़ी हैं। सोना और चांदी लगातार चौथे दिन मजबूत बने रहे। स्थानीय बाजार में चांदी 2,000 रुपये बढ़कर 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। यह कीमत सभी टैक्स मिलाकर है।

### चांदी में तेजी के पीछे क्या है कारण

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सौमिल गांधी ने कहा कि घरेलू बाजार में चांदी की कीमत नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इस तेजी को औद्योगिक मांग, महंगाई से बचाव और ग्लोबल सप्लाई में कमी से समर्थन मिला है। इसका मतलब है कि चांदी की मांग बढ़ रही है, लेकिन बाजार में चांदी की उपलब्धता कम है। इसलिए कीमतें बढ़ रही हैं। इससे पहले 19 मार्च को चांदी 1,03,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची थी। सराफा संघ के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 430 रुपये बढ़कर 99,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। यह कीमत भी सभी टैक्स मिलाकर है। 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना भी 400 रुपये बढ़कर 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

### क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट

एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि डॉलर में कमजोरी और शुल्क को लेकर अनिश्चितता है। इसके साथ ही अमेरिकी कर्ज चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश की मांग में बढ़ोतरी हुई है। इसलिए सोने की कीमतों में तेजी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्लोबल स्तर पर सोना 3,395 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चला गया, जबकि एमसीएक्स पर सोना 98,450 रुपये से ऊपर रहा। एमसीएक्स एक कमोडिटी एक्सचेंज है जहां सोने का कारोबार होता है। त्रिवेदी ने आगे कहा कि वैश्विक तनाव और व्यापार को लेकर अनिश्चितता के कारण सराफा क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। इसका मतलब है कि दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, उससे सोने और चांदी के बाजार में तेजी बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। हाजिर सोना 21.58 डॉलर प्रति औंस या 0.64 फीसदी बढ़कर 3,393.93 डॉलर प्रति औंस हो गया।

# ईसीबी ने बेंचमार्क ब्याज दरें घटाई

### टैरिफ पर ट्रंप के फैसले को देखते हुए लिया फैसला

**नईदिल्ली, एजेंसी।** यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने आठवीं बार अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में कटौती की है। इसका मकसद व्यवसायों और उपभोक्ताओं को अधिक किफायती ऋण उपलब्ध कराने में मदद पहुंचाना है। यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक मोर्चे पर टैरिफ का एलान कर व्यापार युद्ध छेड़ रखा है।

बैंक की दर-निर्धारण परिषद ने गुरुवार को फ्रैंकफर्ट स्थित बैंक के मुख्यालय में ब्याज दरों में एक चौथाई अंक की कटौती का एलान किया गुरुवार के निर्णय से बैंक की बेंचमार्क दर 2 प्रतिशत हो गई, जो 2023-24 के 4 प्रतिशत के शिखर से नीचे है। विश्लेषकों को उम्मीद थी कि विकास की निराशाजनक संभावना को देखते हुए कटौती की जाएगी, क्योंकि ट्रम्प ने 2 अप्रैल को कई नए टैरिफ की घोषणा की थी और तत्पश्चात यूरोपीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ या आयात कर लगाने की धमकी दी थी।

# पीएचडी बीच में छोड़कर शुरू किया बिजनेस

### अब 20 करोड़ का टर्नओवर

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अनंत अजमेरा ने पीएचडी बीच में छोड़कर झाड़ू बनाने के व्यवसाय में कदम रखा। गुवाहाटी में 10 लाख रुपये की पूंजी से उन्होंने यह काम शुरू किया। आज उनकी कंपनी 20 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक पहुंच गई है। इससे न केवल अनंत की जिंदगी बदली है, बल्कि हजारों किसानों को भी फायदा हुआ है। अनंत ने जंगल एग्रोस नाम से यह कंपनी शुरू की। वह किसानों से सीधे संपर्क करके उन्हें उनकी उपज का सही दाम दिलाते हैं। आइए, यहां अनंत अजमेरा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

**26 की उम्र में शुरू किया कारोबार** – गुवाहाटी में जन्मे अनंत अजमेरा की कहानी प्रेरणादायक है। वह जंगल एग्रोस के संस्थापक हैं। यह कंपनी झाड़ू और झाड़ू के लिए कच्चे माल का निर्माण और थोक व्यापार करती है। 2014 में अनंत ने 26 साल की उम्र में पीएचडी छोड़कर झाड़ू बनाने का व्यवसाय शुरू किया था। आज, इससे कई लोगों को फायदा हो रहा है। अनंत की कंपनी जंगल एग्रोस का कारोबार 20 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उनकी सफलता दिखाती है कि अगर आपमें कुछ करने का जुनून है तो आप किसी भी मुश्किल को पार कर सकते हैं।

**कई तरह के झाड़ू बनाना शुरू किया** – अनंत के खून में व्यवसाय है। उनके पिता अजय कुमार जैन भी यार्न के व्यवसाय में हैं। 2014 में अनंत ने असम-मेघालय सीमा पर 1,000 वर्ग फीट के गोदाम से झाड़ू के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल का थोक व्यापार शुरू किया। दो साल बाद उन्होंने झाड़ू बनाना शुरू कर दिया। वह असम घास झाड़ू, फर्श घास झाड़ू, रीड घास झाड़ू, प्लास्टिक-हैंडल घास झाड़ू और लंबी-पाइप घास झाड़ू जैसे कई तरह के झाड़ू बनाते हैं।

**जूनियर रिसर्च फेलो रहे** – अनंत ने 2012 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने मार्केटिंग और फाइनेंस में एमबीए और एम.कॉम किया। अनंत मैनेजमेंट और कॉमर्स में जूनियर रिसर्च फेलो थे। उन्होंने यूजीसी के तहत पूर्वी भारत में रैंक टू और रैंक वन हासिल की। अनंत ने पीएचडी प्रोग्राम में भी दाखिला लिया। फाइनेंस में लगभग आठ रिसर्च पेपर के साथ दो बुक चैप्टर भी प्रकाशित किए। हालांकि, बढ़ती व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं के कारण उन्होंने पीएचडी छोड़ दी।

### इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान

जब अनंत ने झाड़ू उद्योग में प्रवेश किया तो उन्होंने देखा कि व्यवसाय में ज्यादातर लोगों को औपचारिक शिक्षा का बहुत कम अनुभव था। वे पारंपरिक तरीकों पर निर्भर थे। 11 वर्षों में उन्होंने प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कई प्रभावशाली बदलाव किए। झाड़ू-घास को सुखाने का तरीका एक महत्वपूर्ण सुधार था, जो इसकी गुणवत्ता तय करता है। भारत फूल झाड़ू के लिए सबसे अच्छी क्वालिटी का कच्चा माल पैदा करता है। हालांकि, झाड़ू उद्योग अन्य क्षेत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत छोटा है। लेकिन, इसका अनुमानित बाजार मूल्य 1,500 करोड़ रुपये है। भारतीय झाड़ू मध्य पूर्व, अफ्रीकी देशों, पाकिस्तान और अफगानिस्तान को निर्यात किया जाता है। पूरे भारत में लगभग 20 प्रमुख व्यापारी हैं जो कच्चा माल खरीदते हैं। साथ ही लगभग 80 छोटे व्यापारी भी हैं। इस उद्योग में निर्माताओं की संख्या 3,500 से 5,000 के बीच होने का अनुमान है।

## क्रिसिल की रिपोर्ट- आम आदमी की थाली 6 फीसदी सस्ती, सब्जियों और चिकन की कीमतें घटने से मिली राहत

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सब्जियों और चिकन की कीमतें घटने से घर में पकाई जाने वाली आम आदमी की थाली 6 फीसदी तक सस्ती हो गई है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी थाली की कीमत मई, 2024 के 27.80 रुपये से कम होकर इस साल मई में 26.20 रुपये रह गई। चिकन के भाव घटने से मांसाहारी थाली भी 55.9 रुपये से घटकर 52.6 रुपये रह गई।

**क्या कहता है रिपोर्ट में** – रिपोर्ट के अनुसार, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत करीब स्थिर रही है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत दो फीसदी घटी है। दरअसल, सब्जियों की हालिया घटी कीमत ने शाकाहारी थाली के दाम घटाने में मदद की। टमाटर की कीमतें 33 रुपये प्रति किलोग्राम से 29 फीसदी गिरकर 23 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। बता दें कि पिछले साल पश्चिम बंगाल में फसल को हुए नुकसान और बेमौसम बारिश के कारण प्याज और आलू की कीमतों में क्रमशः 15 फीसदी और 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। आयात शुल्क में बढ़ोतरी के कारण वनस्पति तेल की कीमतों में 19 फीसदी की वार्षिक वृद्धि और गैस सिलेंडर की कीमत में 6 फीसदी की सालाना वृद्धि ने थाली की लागत में और गिरावट को रोक दिया।

## बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट: 73 माह के न्यूनतम स्तर पर महंगाई, खाद्य कीमतों की गिरावट से राहत के आसार

**नईदिल्ली, एजेंसी।** खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार आ रही गिरावट से खुदरा महंगाई मई, 2025 के आंकड़ों में घटकर 73 महीने के निचले स्तर 2.7 फीसदी पर आ सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। खुदरा महंगाई की सबसे कम दर इससे पहले फरवरी, 2019 में 2.57 फीसदी रही थी। अप्रैल में यह 67 महीने के निचले स्तर 3.16 फीसदी पर आ गई थी। महंगाई दर में गिरावट से मौजूदा चक्र में आरबीआई को नीतिगत दरों में और ज्यादा कटौती के लिए मदद मिल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर उत्पादन के कारण सब्जियों और दालों की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। बेहतर मानसून से प्याज

और आलू के प्रमुख उत्पादक राज्यों में पहले ही ज्यादा बारिश हो चुकी है। ऐसे में बारिश पर नजर रखने की जरूरत है, क्योंकि मई में टमाटर और आलू की कीमतों में भी कुछ क्रमिक वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, टमाटर, प्याज व आलू की अच्छी आवक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में नरमी से महंगाई पर अंकुश लगेगा। अप्रैल की तुलना में मई में 20 वस्तुओं में से 10 की कीमतों में तेज गिरावट आई है। टमाटर की खुदरा कीमत लगातार 5वें महीने घटी है, हालांकि इसकी गति धीमी रही है।

### 10वें महीने भी गिरा मसूर दाल का भाव

मसूर दाल की खुदरा कीमतों में गिरावट लगातार 10वें महीने रही। मई, 2025 में अरहर की खुदरा कीमत में सालाना आधार पर 18.9 फीसदी गिरावट देखी गई। बेहतर उत्पादन और अधिक आयात से दालों की कीमतों की गिरावट को समर्थन मिला है। 2024-25 में दालों का आयात 46.3 फीसदी बढ़ा है। अनाजों में चावल की खुदरा कीमत 4.5 फीसदी घट गई है। सालाना आधार पर आटा की खुदरा कीमत 2.5 फीसदी तक बढ़ी है। गुड़, चाय और नमक पैक जैसी विविध वस्तुओं के दाम में भी नरमी देखी गई। खाद्य तेलों के भाव स्थिर रहे।

**बेहतर प्रबंधन-सरकारी नीतियों का दिखा असर** – उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा, पिछले दो वर्षों से अलनीनो का प्रभाव बहुत ज्यादा था। इससे एक-डेढ़ महीने तक गर्मी ज्यादा होने से कृषि उत्पाद प्रभावित होते थे। लेकिन, सरकार की नीतियां और हमारे विभाग के बेहतर प्रबंधन का असर है कि कीमतें स्थिर और कम हुई हैं। हमारा प्रयास कीमतों को स्थिर रखकर ग्राहकों को राहत देना है।

# चिंताजनक: भारत के 40 प्रतिशत अमीर कर्ज में डूबे

### 43 प्रतिशत नहीं बचा पा रहे 20 प्रतिशत आय; सर्वे में सामने आई चौंकाने वाली हकीकत

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शेयर बाजारों में उछाल के बावजूद बड़ी संख्या में देश के हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) यानी बेहद अमीर भी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में नाकाम हो रहे हैं। इन वित्तीय लक्ष्यों में बच्चों की पढ़ाई से लेकर सेवानिवृत्ति फंड जुटाना शामिल है। चिंताजनक बात है कि कमाई में तेज वृद्धि के बावजूद ज्यादातर एचएनआई पर्याप्त बचत नहीं कर पा रहे हैं और इनमें से 40 फीसदी भारी कर्ज से जूझ रहे हैं।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) नियंत्रित मार्सेलस इन्वेस्टमेंट और डन एंड ब्रैडस्ट्रीट की इंडिया वेल्थ सर्वे-2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमित बचत, भारी कर्ज और अमीरों के बीच वित्तीय योजना की कमी चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। शेयर बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी के बावजूद भारतीय एचएनआई अपनी सीमित आर्थिक प्रगति से असंतुष्ट और निराश महसूस कर रहे हैं।

करीब 43 फीसदी एचएनआई टैक्स चुकाने के बाद अपनी कमाई का 20 फीसदी हिस्सा भी नहीं बचा पा रहे हैं। 30 से 45 साल के अमीरों में यह समस्या और गंभीर है। कर्ज के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि 30-45 साल के 50 फीसदी एचएनआई उधारी में डूबे हैं, जो उन्हें सेवानिवृत्ति फंड जुटाने, मकान खरीदने और बच्चों की शिक्षा जैसे बड़े वित्तीय लक्ष्य बनाने से रोक रहा है।

यह सर्वे देश के मेट्रो, टियर-1 और टियर-2 शहरों के 30 साल से अधिक उम्र के 465 लोगों पर किया गया है, जिनकी टैक्स चुकाने के बाद सालाना आय 20 लाख से ज्यादा है। एचएनआई का मतलब उस व्यक्ति से है, जिसके पास 5 करोड़ से अधिक की निवेश योग्य संपत्ति है।

### सुझाव: समस्याओं से निजात के तीन समाधान

एचएनआई को इन परेशानियों से निजात दिलाने के लिए रिपोर्ट में तीन समाधान सुझाए गए हैं। इनमें निशुल्क व्यक्तिगत लक्ष्य नियोजन, परिसंपत्ति आवंटन व विविध पोर्टफोलियो (जिसमें वैश्विक शेयर शामिल हों) तक पहुंच व निवेश यात्रा के दौरान निरंतर समर्थन का प्रस्ताव शामिल हैं। रिपोर्ट से स्पष्ट संदेश मिलता है कि भारतीय अमीरों को ज्यादा बचत करनी होगी। सपनों को हकीकत में बदलने के लिए अपने निवेश को बेहतर तरीके से फैलाना होगा।

### महत्वाकांक्षाएं बड़ी, पर ठोस योजना का अभाव

रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकतर एचएनआई की महत्वाकांक्षाएं बड़ी हैं। मसलन, 75 फीसदी अमीर अपने बच्चों की शिक्षा और शादी का खर्च उठाना चाहते हैं, जबकि 40 फीसदी की मकान खरीदने या व्यवसाय शुरू करने की योजना हैं। कई लोग जल्द सेवानिवृत्त होने का सपना भी देखते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम अमीरों के पास कोई ठोस वित्तीय योजना है।

### रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प

रियल एस्टेट अब भी सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है। आधे से ज्यादा एचएनआई ने अपनी संपत्ति का 20 फीसदी से अधिक हिस्सा रियल एस्टेट में लगाया है। सिर्फ एक तिहाई ने शेयर बाजार में इतना निवेश किया है। 25 फीसदी को वैश्विक निवेश की जानकारी ही नहीं है।

# न्यूज़ीलैंड टीम के हेड कोच बने रॉब वाल्टर

**क्राइस्टचर्च ।** अगले तीन सालों के लिए सभी फॉर्मेट में रॉब वाल्टर को ब्लैककैप्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। रॉब वाल्टर की नियुक्ति जून के मध्य से लेकर अक्टूबर-नवंबर 2028 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप तक प्रभावी रहेगी। इसका मतलब है कि वाल्टर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, 2028 एलए ओलंपिक और तीन प्रमुख आईसीसी ईवेंट्स (आईसीसी 2026 टी20 वर्ल्ड कप, आईसीसी 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप और आईसीसी 2028 टी20 वर्ल्ड कप) समेत एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में कीवी टीम की देखरेख करेंगे। रॉब वाल्टर ने न्यूजीलैंड पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में बेहद सफल रहे गैरी स्टीड की जगह ली है। वाल्टर का कहना है कि वह गैरी स्टीड के शानदार काम को आगे बढ़ाने के साथ खिलाड़ियों और स्टाफ के ऐसे हाई परफॉरमेंस ग्रुप में योगदान देने की जिम्मेदारी मिलने पर सम्मानित और उत्साहित हैं।

एनजेडसी ने वाल्टर के हवाले से कहा, ब्लैक कैप्स पिछले कुछ समय से विश्व पटल पर एक सफल और उच्च-सम्मानित टीम रही है। इसमें योगदान देने का मौका मिलना सच में सौभाग्य की बात है। ऐसे समय में खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के इतने टैलेंटेड ग्रुप के साथ काम करना एक अद्भुत मौका है, जिसमें इतने सारे ग्लोबल इवेंट्स के साथ-साथ द्विपक्षीय सीरीज भी आयोजित की जाएंगी। यह रोमांचक है, यह चुनौतीपूर्ण है और सभी के लिए मौका बहुत बड़ा है।

वाल्टर का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। वह हाल ही में दक्षिण अफ्रीकी पुरुष क्रिकेट टीम (व्हाइट बॉल) के कोच थे। दक्षिण अफ्रीकी टीम वाल्टर के मार्गदर्शन में क्रिकेट वर्ल्ड कप-2023 के सेमीफाइनल, चैंपियंस ट्रॉफी-2025 के सेमीफाइनल और टी20 विश्व कप- 2024 के फाइनल में पहुंची थी।

वाल्टर ने साल 2022 में भारत में पुरुषों की न्यूजीलैंड ए टीम को भी कोचिंग दी। वह इससे पहले पुणे वारियर्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के असिस्टेंट कोच रहने के अलावा दक्षिण अफ्रीकी टीम ईस्टर्न टाइटंस के हेड कोच भी रह चुके हैं।

वाल्टर ने पहले ओटागो वोल्ट्स और सेंट्रल स्टैग्स के लिए हेड कोच की भूमिकाएं निभाईं। ओटागो वोल्ट्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान वाल्टर ने टीम को 2019-20 में सुपर स्मैश प्ले-ऑफ में पहुंचाया और 2018-19 और 2019-20 में बैक-टू-बैक फोर्ड ट्रॉफी फाइनल में पहुंचाया। सेंट्रल स्टैग्स के साथ उनका समय और भी प्रभावशाली था। टीम ने 2021-22 में फोर्ड ट्रॉफी फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद 2022-23 में फोर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड दोनों में चैंपियनशिप जीत हासिल की। एनजेडसी के चीफ एग्जीक्यूटिव स्कॉट वेनिंक ने इसे वाल्टर के लिए यह सही समय और जगह बताया है।

वेनिंक ने कहा, रॉब एक वर्ल्ड क्लास कोच हैं, जिनका अनुभव शानदार है। न्यूजीलैंड के डोमेस्टिक गेम में उनकी सफलता, दक्षिण अफ्रीका के साथ वैश्विक मंच पर उनकी हालिया उपलब्धियों के साथ मिलकर उन्हें ब्लैककैप्स को लीड करने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाती है। हम रॉब का घर पर स्वागत करते हुए उत्साहित हैं, जो हमारी टीम को तीन प्रमुख आईसीसी इवेंट्स सहित एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण अवधि के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे।

# लामिन यमल का शानदार प्रदर्शन, फ्रांस को हराकर फाइनल में स्पेन

**नेशंस लीग 2025**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लामिन यमल के दो गोल की मदद से स्पेन ने स्टटगार्ट में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 5-4 से जीत दर्ज की। इसी के साथ स्पेन ने नेशंस लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। स्पेन लगातार तीसरी बार नेशंस लीग के फाइनल में पहुंचा है। टीम पिछले 12 नेशंस लीग मुकाबलों से (8 जीत, 4 ड्रॉ) में अजेय है। अब ये टीम फाइनल में पुर्तगाल से भिड़ेगी।

स्पेन ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। फ्रांस ने गेंद को अपने पास रखा और स्पेन की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश की। मुकाबले के 22वें मिनट स्टार खिलाड़ी लामिन यमल ने बॉक्स में ओयारजाबल को पास दिया। ओयारजाबल ने डिफेंडर्स को चकमा देते हुए गेंद निको विलियम्स को दी, जिन्होंने गेंद को नेट के ऊपर से मारते हुए मुकाबले का पहला गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद (25वें मिनट) मिकेल मेरिनो और ओयारजाबल ने गेंद तेजी से एक-दूसरे को पास की और मेरिनो ने गेंद को बॉक्स के अंदर डाल दिया। मुकाबले के 54वें मिनट यामल ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया और एक मिनट बाद पेड्री ने चौथा गोल दाग दिया।

यहां तक स्पेन के पास 4-0 से शानदार लीड थी, लेकिन 59वें मिनट में फ्रांसीसी कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने आगे बढ़कर गोल किया। इसी के साथ फ्रांस ने आखिरकार अपना खाता भी खोल लिया। हालांकि, स्पेन ने अपना नियंत्रण बनाए रखा और 67वें मिनट यमल ने फिर से गोल दागकर स्कोर को 5-1 कर दिया।

63वें मिनट में दोनों टीमों ने बदलाव किए। फ्रांस ने कालुलु, डोए और ओलिसे की जगह बारकोला, गुस्टो और चेर्की को मैदान में उतारा गया, जबकि स्पेन ने विलियम्स और पेड्री की जगह रुइज और ओल्मो को मैदान में उतारा। 79वें मिनट रेयान चेर्की ने काइलियन एमबाप्पे की मदद से गोल दागकर स्कोर 5-2 से कर दिया। 84वें मिनट में दानी विवियन के गोल दागकर स्पेन को चौंका दिया। इसके बाद 90+3 मिनट में एक और मौका मिला जब रैंडल कोलो मुआनी ने चेर्की के सटीक क्रॉस को हेडर से गोल में बदला और स्कोर 5-4 हो गया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा, मैं खुश हूं। जब आज की तरह दो बेहतरीन टीमें आमने-सामने होती हैं, तो यह सामान्य बात है कि हर टीम अपने पलों का भरपूर फायदा उठाती है। हमें हर गेम से सीखने और खेल को सकारात्मक नजरिए से देखने की जरूरत है। प्लेयर ऑफ द मैच यमल ने कहा, जब इस तरह की दो बेहतरीन टीमें खेलती हैं, तो आप कई बार बहुत सारे गोल देखते हैं। वे आपको अंत तक परेशान करेंगे, लेकिन हमने जो गलतियां कीं, उसके बावजूद हम फाइनल में पहुंचे। हम जानते थे कि हम क्या करना चाहते हैं। हम इतिहास बनाना चाहते थे। जब आप जीत रहे होते हैं, तो सबसे बड़ी बात जीतते रहना है।

# एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के नाम से टेस्ट सीरीज, ऐसा रहा है इन दिग्गजों का रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत-इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू हो रही पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के नाम से जानी जाएगी। आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह निर्णय लिया है।

ट्रॉफी का आधिकारिक अनावरण तेंदुलकर और एंडरसन खुद 11 जून से शुरू होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान लॉर्ड्स में करेंगे। अब तक भारत और इंग्लैंड मेजबान देश के आधार पर अलग-अलग ट्रॉफी के लिए खेलते थे। इंग्लैंड में पटौदी ट्रॉफी दी जाती थी, जिसका नाम भारत के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था। भारत में, यह सीरीज एंथनी डी मेलो ट्रॉफी के लिए खेली जाती थी, जिसका नाम भारतीय क्रिकेट प्रशासन के संस्थापक के नाम पर था।

इस साल टेस्ट सीरीज को भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के महानतम तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम पर रखा गया है। आइए, जानते हैं कि दोनों खिलाड़ियों का एक-दूसरे देश के खिलाफ टेस्ट रिकॉर्ड कैसा रहा है।

सचिन तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने साल 1989 से 2013 के बीच टेस्ट फॉर्मेट खेला। इस दौरान 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। वहीं, जेम्स एंडरसन ने साल 2003 से 2024 के बीच टेस्ट फॉर्मेट खेला। वह इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं। सचिन तेंदुलकर ने इंग्लैंड के विरुद्ध 32 टेस्ट खेले, जिसमें सात शतक और 13 अर्धशतक के साथ 2,535 रन बनाए। मास्टर-ब्लास्टर ने इंग्लैंड की सरजमीं पर 17 टेस्ट खेले, जिसमें 1575 रन जड़े। इस दौरान उनके बल्ले से चार शतक और आठ अर्धशतक आए। बात अगर जेम्स एंडरसन की करें, तो इस गेंदबाज ने भारत के विरुद्ध 39 टेस्ट में 149 शिकार किए, जिसमें छह बार फाइव-विकेट हॉल शामिल है। वहीं, अगर भारतीय सरजमीं पर उनका प्रदर्शन देखें, तो एंडरसन ने यहां 17 टेस्ट में 44 शिकार किए।

# विराट कोहली ने सिर्फ 18 साल इंतजार किया

## तेंदुलकर का इंतजार और भी लंबा था : सहवाग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विराट कोहली का आईपीएल ट्रॉफी के लिए लंबा इंतजार मंगलवार रात को खत्म हुआ जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। आरसीबीके स्टार खिलाड़ी 2008 में लीग की शुरुआत से सिर्फ आरसीबी जुड़े हैं और खिताब का सूखा खत्म करने में उन्हें 18 साल लग गए। लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि तेंदुलकर का विश्व कप ट्रॉफी जीतने का इंतजार और भी लम्बा था और फिर भी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं खोई। सहवाग ने एक क्रिकेट वेबसाइट से कहा, उन्होंने (कोहली ने) ट्रॉफी जीतने के लिए केवल 18 साल इंतजार किया। सचिन तेंदुलकर ने 1989 से 2011 तक इंतजार किया। इसलिए, कोहली को कम इंतजार करना पड़ा और फिर भी सचिन ने कभी उम्मीद नहीं खोई। उन्होंने मन बना लिया था कि वह विश्व कप ट्रॉफी को अपने हाथ में लेकर ही रहेंगे। सहवाग ने कहा कि कोहली जब भी कोई फैसला करेंगे, तो उन्हें राहत मिलेगी और वे बिना किसी पछतावे के संन्यास ले सकते हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, विराट कोहली के लिए भी यही बात है। अब, वह राहत महसूस कर सकते हैं। वह जब चाहें आईपीएल खेलना बंद कर सकते हैं। एक खिलाड़ी ट्रॉफी जीतने के लिए खेलता है। पैसा आता है और जाता है, लेकिन ट्रॉफी जीतना आसान नहीं है। भले ही कोहली का इंतजार खत्म हो गया हो, लेकिन उन्होंने अभी भी उनके अभियान में बहुत मजबूत योगदान दिया है। गौर हो कि आरसीबीने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी पंजाब किंग्स का सफर रोलर कोस्टर वाला है और अंत में टीम को 6 रन से खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

# पीयूष चावला ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के दो बार के विश्व कप विजेता लेग स्पिनर पीयूष चावला ने शुक्रवार को पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 36 वर्षीय चावला ने इंस्टाग्राम पोस्ट करके इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मैदान पर दो दशक से अधिक समय बिताने के बाद इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। चावला में 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीत में भारतीय टीम का हिस्सा थे। चावला ने पेशेवर क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 1000 से अधिक विकेट हासिल किए। 2012 में अपने अंतिम प्रदर्शन तक पांच वर्षों में भारत के लिए 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 मैच खेले जिसमें उन्होंने 43 विकेट लिए। चावला ने कहा, भारत का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। इंडियन प्रीमियर लीग मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है और मैंने इसमें खेलते हुए हर पल को संजोया है। मैं अपने कोचों श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सारस्वत का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में तैयार किया। उन्होंने आगे कहा, आज मेरे लिए बेहद भावुक दिन है क्योंकि मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। भले ही मैं क्रीज से दूर चला जाऊं, लेकिन क्रिकेट हमेशा मेरे भीतर रहेगा। अब मैं इस खूबसूरत खेल की भावना और सबक को अपने साथ लेकर एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।

# ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे भारत के 15 खिलाड़ी, गुकेश और प्रज्ञानंद भी शिरकत करेंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विश्व चैंपियन डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञानंद, आर वैशाली और कोनेरू हम्पी समेत 15 भारतीय खिलाड़ियों ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में तीन से 16 सितंबर तक होने वाले 2025 फिडे ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस के लिए क्वालिफाई कर लिया है। फिडे ग्रैंड स्विस (ओपन) में गुकेश, एरिगैसी और प्रज्ञानंद के अलावा आठ अन्य भारतीय हिस्सा ले रहे हैं। इसमें अरविंद चिदंबरम, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन, रौनक साधवानी, मुरली कार्तिकेयन, अभिमन्यु पौराणिक और आर्यन चोपड़ा शामिल है।

वैशाली और हम्पी के साथ महिला ग्रैंड स्विस में हरिका द्रोणावल्ली और दिव्या देशमुख भी शामिल होंगी। वंतिका अग्रवाल इस टीम की रिजर्व खिलाड़ी है। शतरंज कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण आयोजनों में से

एक फिडे ग्रैंड स्विस खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने का सीधा रास्ता देता है। फिडे ने कहा, ग्रैंड स्विस की तालिका में शीर्ष दो में रहने वाले पुरुष खिलाड़ी 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान सुरक्षित करेंगे, जबकि महिला ग्रैंड स्विस में शीर्ष दो खिलाड़ी 2026 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करेंगी। फिडे ने इसके साथ ही टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए कहा कि पुरुष वर्ग में 36 प्रतिशत जबकि महिला वर्ग में 64 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। पुरुष वर्ग की कुल इनामी राशि 6,25,000 डॉलर है जबकि महिला वर्ग के लिए यह रकम 230,000 डॉलर है। दोनों टूर्नामेंट 11 दौर के स्विस प्रारूप में खेले जाएंगे, जिसमें विश्व भर से 170 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें ग्रैंड स्विस में 114 और महिला ग्रैंड स्विस में 56 खिलाड़ी शामिल हैं।

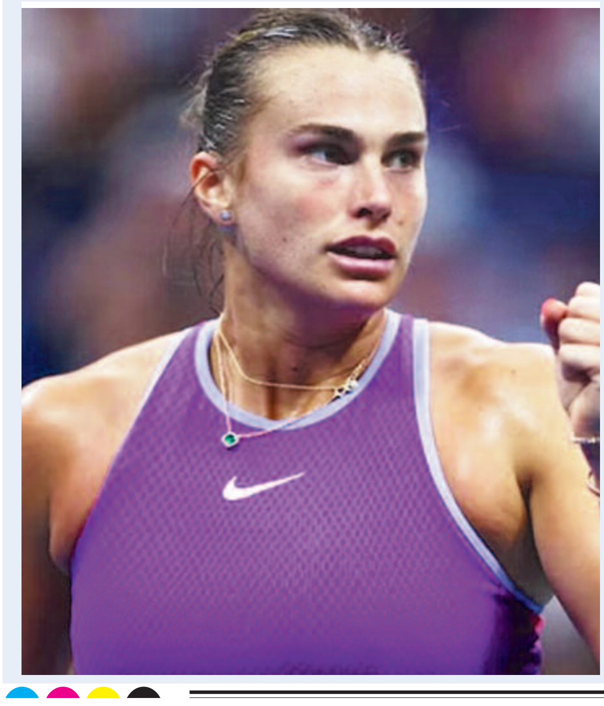

# फ्रेंच ओपन: सबालेंका फ्रेंच ओपन के फाइनल में, डिफेंडिंग चैंपियन स्वियातेक को हराकर चौंकाया

**पेरिस, एजेंसी।** सबालेंका का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ और 361वीं रैंकिंग वाली वाइल्ड कार्ड धारक लोइस बोइसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने इगा स्वियातेक के फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में 26 मैच में जीत के अभियान को विराम लगाते हुए गुरुवार को महिला एकल फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका ने स्वियातेक को रोलां गैरो पर हुए सेमीफाइनल मुकाबले में तीन सेट में 7-6, 4-6, 6-0 से हराकर पेरिस में पहली बार फाइनल में प्रवेश किया।

सबालेंका की जीत ने स्वियातेक को 1968 में प्रतियोगिता में पेशेवर खिलाड़ियों को प्रवेश की स्वीकृति दिए जाने के बाद से इस क्ले-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से रोक दिया। इससे सबालेंका को अपना चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने का मौका भी मिलेगा। सबालेंका ने अब तक अपने तीनों ग्रैंडस्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं जिसमें दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और एक अमेरिकी ओपन खिताब शामिल है। बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका ने कहा, यह अविश्वसनीय लगता है लेकिन मैं यह भी समझती हूं कि काम अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, वह सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वी है, विशेषकर क्ले कोर्ट पर, खासकर रोलां गैरो पर। मुझे गर्व है कि मैं यह जीत हासिल करने में सक्षम थी। यह एक कठिन मुकाबला था लेकिन मैं किसी तरह इसे जीतने में कामयाब रही।

सबालेंका का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ और 361वीं रैंकिंग वाली वाइल्ड कार्ड धारक लोइस बोइसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

इरानी और वावसोरी की जोड़ी बनी फ्रेंच ओपन की मिश्रित युगल चैंपियन

इटली की तीसरी वरीयता प्राप्त सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन के मिश्रित युगल वर्ग के फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और इवान किंग की अमेरिका की जोड़ी को शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। इटली की जोड़ी ने बृहस्पतिवार को यहां सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। पिछले साल अमेरिकी ओपन जीतने के बाद यह उनका दूसरा बड़ा खिताब था। इरानी के लिए पेरिस में यह दूसरा बड़ा खिताब है। उन्होंने पिछले साल हमवतन जैस्मीन पाओलिनी के साथ महिला युगल में ओलंपिक स्वर्ण जीता था।

# कोविड से उबरने के बाद काम पर लौटीं जोइता चटर्जी, बोलीं- 'मुश्किल भरा था समय'

**कोविड** की चपेट में आईं अभिनेत्री जोइता चटर्जी अब ठीक हैं। अभिनेत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि वह एकदम ठीक हैं और प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट आने से पहले, जोइता अपने प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए तैयार थीं। हालांकि, उनकी खराब सेहत के कारण शूटिंग को आगे बढ़ाना पड़ा। आखिरकार, निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद अभिनेत्री काम पर वापस से लौटने के लिए तैयार हैं। जोइता ने हाल ही में अपने ठीक होने के बाद काम पर वापस लौटने के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। बालवीर फेम अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनकी रिकवरी की यात्रा आसान नहीं थी क्योंकि रिकवरी की पूरी प्रक्रिया के दौरान उन्हें लगातार 2020 और 2021 की महामारी के पुराने डर सताते रहे। अपने डॉक्टर्स और सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा, मेरे डॉक्टर्स और प्रशंसकों की प्रार्थनाओं का शुक्रिया, मैं अब कोविड से उबर चुकी हूं। मैं प्रोजेक्ट की शूटिंग और लंबे समय से पेंडिंग में पड़े प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने के लिए अब तैयार हूं। मैं काम फिर से शुरू करने को लेकर खुश और उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने साझा किया कि कोविड निगेटिव रिपोर्ट आने के बावजूद वह कमजोरी महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं कोविड-19 से ठीक हो चुकी हूं और अब रिपोर्ट भी नेगेटिव आ चुकी है। लेकिन, मुझे अभी भी कमजोरी है जिसे मैं महसूस कर रही हूं। कमजोरी के साथ काम फिर से शुरू करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जोश और जुनून मुझे आगे बढ़ाता है। कमजोरी के बावजूद मुझे काम करने की ताकत देने के लिए ईश्वर का आभार। मेरे स्वस्थ होने की प्रार्थना करने वाले सभी लोगों की आभारी हूं।

**आमिर खान का खुलासा:**

# 2026 में शुरू होगी लोकेश कनागराज के साथ सुपरहीरो फिल्म, PK 2 को बताया अफवाह

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान इस समय अपनी अगली फिल्म सितारे ज़मीन पर की रिलीज़ की तैयारियों में जुटे हैं, जो 20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। आमतौर पर आमिर एक वक्त पर एक ही प्रोजेक्ट पर ध्यान देते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपवाद करते हुए अपने भविष्य के कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा किया है। एक ओर जहां उन्होंने लोकेश कनागराज के साथ एक सुपरहीरो फिल्म की पुष्टि की है, वहीं PK 2 को लेकर उड़ रही अफवाहों को सिरे से खारिज भी कर दिया है।

पत्रकारों के साथ एक ग्रुप इंटरव्यू में आमिर खान ने साफ किया कि, PK 2 सिर्फ एक अफवाह है। मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। उन्होंने आगे कहा, दादासाहेब फाल्के पर फिल्म बन रही है और उस पर मैं और राजू (राजकुमार हिरानी) मिलकर काम कर रहे हैं। जब उनसे लोकेश कनागराज के साथ प्रोजेक्ट को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हम दोनों एक फिल्म पर काम कर रहे हैं, जो सुपरहीरो जॉनर की है। ये एक बड़े स्केल की एक्शन फिल्म होगी और 2026 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर जाएगी। हालांकि, इससे ज़्यादा जानकारी देने से उन्होंने इनकार करते हुए कहा, ये दो साल आगे की बात है, अभी मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता।

# टॉम क्रूज के नाम दर्ज हुआ एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, मिशन इंपॉसिबल में किया शानदार स्टंट

तीन बार ऑस्कर अवॉर्ड के लिए नामांकित हो चुके हॉलीवुड के एक्टर टॉम क्रूज अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। हाल ही में एक्टर के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया है। यह रिकॉर्ड मिशन इंपॉसिबल फ्रेंचाइजी की आठवीं किस्त में स्टंट करने के लिए जुड़ा।

## इस एक्शन के लिए दर्ज हुआ नाम

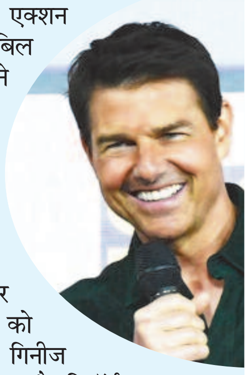

मिशन इंपॉसिबल फ्रेंचाइजी की आठवीं किस्त मिशन इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग (2025) में उन्होंने जो एक्शन किए हैं, वह तारीफ के काबिल हैं। फिल्म में टॉम क्रूज ने शानदार स्टंट करते हुए जलते हुए पैराशूट पर जंप किया है। टॉम ने जलते हुए पैराशूट पर 16 बार हेलीकॉप्टर से छलांग लगाई, फिर पैराशूट के जले हुए हिस्से को काटकर सुरक्षित किया। इस स्टंट को करने के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। रिकॉर्ड में उनका नाम 4 जून को दर्ज किया गया।

**मीठी नदी सफाई घोटाला**

# डिनो मोरिया के आवास पर ईडी की रेड

करोड़ों रुपयों के गबन से संबंधित मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में फंसे अभिनेता डिनो मोरिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने मुंबई स्थित उनके आवास पर शुक्रवार को छापेमारी की। जानकारी के अनुसार, डिनो मोरिया के अलावा बीएमसी के सहायक अभियंता प्रशांत रामुगडे समेत अन्य के ठिकानों पर भी ईडी ने छापेमारी की है। मामले में अभिनेता 28 मई को ईओडब्ल्यू जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए थे। अधिकारियों ने अभिनेता से लगभग सात घंटे तक पूछताछ की थी, जिसमें उन्होंने कई अहम सवालों के जवाब दिए।

26 मई को भी डिनो मोरिया से पूछताछ की गई थी। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के मुताबिक, डिनो मोरिया को इसलिए बुलाया गया क्योंकि जांच में उनकी और उनके भाई सैंटिनो मोरिया की और इस मामले के मुख्य आरोपी केतन कदम के फोन पर कई बार बातचीत के रिकॉर्ड मिले हैं। अब पुलिस ये समझना चाहती है कि इनके बीच क्या चर्चा हुई थी। आरोप है कि मीठी नदी की सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीनें, जैसे कि कीचड़ हटाने वाली और गहरी खुदाई करने वाली मशीन आदि को किराए पर लेने वाले पैसे का गलत इस्तेमाल हुआ। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कथित तौर पर कोच्चि स्थित कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त मशीनों के लिए बढ़ी हुई कीमतें चुकाईं।

# श्रुति हासन को महीनों बाद मिली खोई हुई बिल्ली कोरा, एक्ट्रेस फिर भी हैं उदास

**एक्ट्रेस** और सिंगर श्रुति हासन को आखिरकार कई महीनों बाद अपनी खोई हुई बिल्ली कोरा मिल गई। उन्होंने बताया कि जब कोरा मिली, तो वह बहुत कमजोर और घायल थी। लेकिन हैरानी की बात यह थी कि वह अभी भी घर लौटना नहीं चाहती थी। श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी बिल्ली कोरा की एक झलक शेयर की और लिखा, मैंने आखिरकार कई महीनों बाद अपनी खोई हुई बिल्ली कोरा को देखा। वह घायल थी, कमजोर और दुबली हो गई थी, लेकिन फिर भी घर लौटने को तैयार नहीं थी।

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कोरा को खूब प्यार किया, लेकिन उसकी हालत देखकर उन्हें रोना आ गया।

श्रुति हासन ने लिखा, मैंने उसे जितना प्यार दे सकती थी दिया, फिर यह सोचकर रो पड़ी कि वह घर कब वापस आएगी। कभी-कभी एक बिल्ली की मम्मी होना बहुत मुश्किल होता है। सबसे ज्यादा मैं इस बात के लिए शुक्रगुजार हूं कि वह जिंदा है और अपनी मर्जी से जी रही है। शायद यही ठीक है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, श्रुति जल्द ही अपनी अगली एक्शन थ्रिलर फिल्म कुली में नजर आएंगी। इस फिल्म में

तेलुगु स्टार नागार्जुन, कन्नड़ स्टार उपेंद्र, मलयालम स्टार सौबिन शाहिर और तमिल स्टार सत्यराज सहित कई साउथ के बड़े अभिनेता नजर आएंगे। फिल्म कुली को कलानिधि मारन ने सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। कुली के अलावा, श्रुति हासन अब अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी कदम रखने जा रही हैं। वह अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म द आई में नजर आएंगी। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। इसमें श्रुति के साथ मार्क रोवली मुख्य भूमिका में होंगे, और साथ में लिंडा मार्लो और पेरू कवालियेरी भी अहम किरदार निभाएंगे। इनके अलावा, श्रुति की झोली में फिल्म सालार पार्ट 2= शौर्यांगा पर्वम भी है। इस फिल्म में उनके साथ प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पहला पार्ट 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया था। इसके पहले पार्ट में जगपति बाबू, बॉबी सिम्हा, श्रेया रेड्डी, रामचंद्र राजू, जॉन विजय, ईश्वरी राव, टीनू आनंद, देवराज, ब्रह्माजी और माइम गोपी नजर आए थे।

# फिल्म निर्देशक प्रकाश झा ने 'राजनीति 2' को लेकर साझा की अपडेट

साल 2010 में आई प्रकाश झा की पॉलिटिकल ड्रामा 'राजनीति' को रिलीज हुए आज 15 साल पूरे हो गए हैं। आज भी इस फिल्म का फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है। अब फिल्म के 15 साल पूरे होने पर निर्देशक प्रकाश झा ने राजनीति के सीक्वल को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है। साथ ही उन्होंने ये साफ कर दिया है कि फिल्म का सीक्वल बनेगा भी या नहीं।

**स्क्रिप्टिंग पर चल रहा काम**

बातचीत प्रकाश झा ने 'राजनीति' के सीक्वल को लेकर बात की और इसके बारे में जानकारी साझा की। प्रकाश झा ने बताया कि राजनीति की यात्रा तो अनवरत है, चलती ही रहती है। 'राजनीति 2' के लिए हमेशा से ही योजना थी। हालांकि, कास्टिंग और शूटिंग के मामले में अभी तक कुछ भी ठोस नहीं है, लेकिन मैं फिलहाल इस पर काम कर रहा हूं। इसकी स्क्रिप्टिंग और राइटिंग पर काम चल रहा है। इस दौरान 'राजनीति' बनाने के वक्त को याद करते हुए प्रकाश झा ने कहा, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन एक साल तक चला। हमने एक भीड़ वाले सीन के लिए 8,000 कलाकारों को चुना, जो काफी मुश्किल काम था। कास्टिंग के बारे में अच्छी बात यह थी कि हमने जिससे भी संपर्क किया, उसे स्क्रिप्ट पसंद आई और वह इसमें शामिल हो गया। उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती महसूस हुई। लोग कहते हैं कि यह एक व्यावसायिक सफलता थी। 2010 में रिलीज हुई राजनीतिक थ्रिलर में प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक परिवारों और पार्टियों के बीच एक कट्टर संघर्ष को दर्शाया गया है। फिल्म में रणबीर कपूर, अजय देवगन, कटरीना कैफ अर्जुन रामपाल, मनोज बाजपेयी, नाना पाटेकर और नसीरुद्दीन शाह जैसे कलाकार नजर आए हैं।

# हंसल मेहता के साथ काम करेंगे विजय वर्मा

अभिनेता विजय वर्मा ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपना अलग मुकाम हासिल किया है। यही कारण है कि फैंस को उनकी फिल्मों का इंतजार रहता है। अब अभिनेता ने अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। जिसमें वो दिग्गज फिल्ममेकर हंसल मेहता के साथ काम करेंगे। विजय वर्मा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में उन्होंने एक गुलदस्ते (बुके) की फोटो शेयर की है। साथ में एक लेटर भी नजर आ रहा है, जो खुद हंसल मेहता द्वारा हाथों से लिखा गया है। इस फोटो को शेयर करते हुए विजय ने कैप्शन में 'नई शुरुआत' लिखा है।

**हंसल ने की विजय की तारीफ**

विजय वर्मा ने हंसल मेहता का जो नोट स्टोरी पर शेयर किया है। उस नोट में हंसल ने विजय की तारीफ करते हुए उनका अपने प्रोजेक्ट में स्वागत में किया है। हंसल और विक्रम की ओर से लिखे इस नोट में लिखा है, आपका स्वागत है। कड़ी मेहनत, शानदार काम और कुछ बेहतरीन यादों से भरा शूट। ढेर सारा प्यार। विजय वर्मा और हंसल मेहता के एक साथ आने से दर्शकों को एक बेहतर फिल्म की उम्मीद है। क्योंकि हंसल मेहता की फिल्में भी सामाजिक या अलग मुद्दों पर आधारित होती हैं। जिनमें बेहतरीन कहानी देखने को मिलती है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट के बारे में अभी और अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय वर्मा आखिरी बार अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित वेब सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' में नजर आए थे।

# राणा नायडू के दूसरे सीजन में विलेन के रूप में अर्जुन रामपाल की वापसी

नेटफ्लिक्स के शो राणा नायडू के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में अर्जुन रामपाल और राणा दग्गुबाती के बीच तकरार होते हुए नजर आ रही है। इसके अलावा एक्ट्रेस सुरवीन चावला भी अपनी इंटेंस एक्टिंग से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए आ रही हैं। एक्टर राणा दग्गुबाती के इस शो का इंतजार फैंस पिछले काफी समय से कर रहे थे। शो में राणा दग्गुबाती और वेंकटेश दग्गुबाती एक दूसरे से लोहा लेते हुए दिखाई देंगे। दोनों अभिनेताओं को एक साथ देखने के लिए दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता है। इसके अलावा अर्जुन रामपाल इस सीरीज में विलेन की भूमिका में नजर आने वाले हैं। अर्जुन रामपाल जब-जब विलेन के तौर पर दिखाई दिए हैं, उन्हें काफी पसंद किया जाता है।

**26वीं शादी की सालगिरह पर पत्नी के लिए माधवन का प्यार भरा पैगाम**

# बीते सालों का एक भी पल बदलना नहीं चाहूंगा

**एक्टर** आर. माधवन और उनकी पत्नी सरिता बिर्जे की शादी को 26 साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर माधवन ने अपनी पत्नी को शुभकामनाएं दीं और कहा कि पिछले 26 सालों में जो भी पल उन्होंने साथ बिताए हैं, उनमें से वे एक भी पल न तो बदलना चाहेंगे और न ही किसी और तरह से जीना चाहेंगे। शुक्रवार को माधवन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपनी पत्नी का एक क्लोज अप फोटो शेयर किया। इस फोटो में सरिता कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। माधवन ने लिखा, उस महिला के लिए, जिसने मुझे वह सब कुछ दिया जो मैं कभी चाहता था... हमारी शादी को 26 साल हो गए हैं और हम एक-दूसरे को 33 साल से जानते हैं। इस पूरे समय में ऐसा एक भी पल नहीं है जिसे मैं बदलना चाहूंगा या किसी और तरह जीना चाहूंगा। एक्टर ने कहा कि अब उनके पास और कुछ मांगने को नहीं है, क्योंकि सरिता उनके लिए सबसे बड़े आशीर्वाद की तरह है। उन्होंने आगे कहा, आपने मुझे इतना कुछ दिया है कि अब मुझे नहीं पता कि और क्या चाहूं। मैं सबसे ज्यादा खुशकिस्मत इंसान हूं। सालगिरह मुबारक हो, माई लव सरिता बिर्जे माधवन। माधवन और सरिता की मुलाकात 1991 में एक वर्कशॉप के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों में दोस्ती हुई, जो समय के साथ प्यार में बदल गई और 1999 में दोनों ने शादी कर ली। उस समय माधवन ने फिल्मों में काम करना शुरू नहीं किया था। सरिता ने कुछ फिल्मों में माधवन के कपड़े डिजाइन किए, खासकर 2009 में रिलीज हुई भारतीय तमिल रोमांटिक कॉमेडी फिल्म गुरु एन आलू में। कपल ने 2005 में अपने बेटे वेदांत माधवन का स्वागत किया। बता दें कि वेदांत एक अंतरराष्ट्रीय तैराक है। माधवन ने 2000 में निर्देशक मणिरत्नम की रोमांटिक फिल्म अलाई पयूथे से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

-साभार-एजेंसी